जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, शनिवार 25 अक्टूबर, 2025

हमारे प्रॉडक्ट्स महँगे नहीं
आजकल लोगों को
सेहत सस्ती लगती हैं

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

ORDER NOW:

शरबती सुपीरियर आटा । देशी चक्की आटा । सूजी । दलिया । बेसन । शरबती गेहूँ । देशी गेहूँ
लाकाडोंग हल्दी पाउडर । मिर्च पाउडर । धनिया पाउडर । जीरा (साबुत) । मसूर दाल । उड़द दाल (छिलका)
उड़द दाल । मूंग दाल । काजू । किशमिश । कैलिफोर्निया बादाम । मामरा बादाम । पिस्ता । अखरोट

COMING SOON:

चावल । कुकिंग ऑयल । खड़े मसाले । चाय

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

एक्सप्रेस डिलीवरी सिर्फ एक कॉल पर
1800 120 2727

T&C Apply.

विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। –शुक्रनीति

त्योहारी सीज़न में उपभोक्ताओं ने की जमकर खरीदारी

इस वर्ष दिवाली ने देशभर में व्यापार की दुनिया में नया रिकार्ड बनाया है। जीएसटी कटौती के चलते दिवाली सहित त्योहारी सीज़न में उपभोक्ताओं ने जमकर खरीदारी की। उपभोक्ताओं के लिए यह त्योहार खुशियों भरा रहा। कीमतों में स्थिरता और त्योहारी उत्साह ने उन्हें अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया। महानगरों तथा उभरते बाजारों में त्योहारी मांग 25 प्रतिशत तक बढ़ी है। इस वर्ष दिवाली पर बिक्री के पुराने सारे रिकॉर्ड टूट गए है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की रिपोर्ट के मुताबिक, दिवाली पर देशभर में कुल बिक्री 6.05 लाख करोड़ तक पहुंची, जिसमें 5.40 लाख करोड़ का वस्तु व्यापार और 65 हजार करोड़ का सेवा व्यापार शामिल है। त्योहारी बिक्री में किराना व एफएमसीजी वस्तुओं की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत, सोना-चांदी 10 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स व इलेक्ट्रिकल्स 8 प्रतिशत, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 7 प्रतिशत, रेडीमेड परिधान 7 प्रतिशत, गिफ्ट आइटम 7 प्रतिशत, होम डेकोर व फर्नीचर 10 प्रतिशत, मिठाई-नमकीन 5 प्रतिशत, वस्त्र 4 प्रतिशत, पूजन सामग्री 3 प्रतिशत, फल व मेवे एवं बेकरी-कन्फेक्शनरी प्रत्येक 3 प्रतिशत, फुटवियर 2 प्रतिशत और अन्य विविध वस्तुएं 19 प्रतिशत रहीं। इसी तरह सेवा क्षेत्र में भी इस बार कारोबार 65,000 करोड़ तक पहुंचा। पैकेजिंग, ट्रैवल, हॉस्पिटैलिटी, टैक्सी, इवेंट मैनेजमेंट, डिलीवरी और टेंट-सजावट जैसे क्षेत्रों में मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह देश के व्यापार इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा त्योहारी कारोबार है। पिछले साल के मुकाबले बिक्री में 25 फीसदी का इजाफा हुआ है। पिछली दिवाली पर 4.25 लाख करोड़ का कारोबार हुआ था। दिवाली के अवसर पर कारोबारी गतिविधियों में बढ़ोतरी से लगभग 50 लाख अस्थायी रोजगार सृजित हुए। इनमें से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों ने कुल व्यापार का लगभग 28 प्रतिशत हिस्सा लिया। इससे यह स्पष्ट है कि न केवल बड़े शहरों बल्कि छोटे शहर और ग्रामीण इलाकों में भी दिवाली के अवसर पर खरीदी में तेजी आई।

त्योहारी सीजन में बाजार ने तूफानी तेजी पकड़ी, लेकिन सबसे ज्यादा तेजी ऑनलाइन बाजार में ही दिखाई दी। आज जिसे देखो वह ऑनलाइन बाजार से खरीददारी के लिए व्यस्त है। इसमें ग्राहक और कंपनियों दोनों का फायदा भी हो रहा है। ग्राहक को घर बैठे मनपसंद सामान मिल रहा है तो वहीं कंपनियों के सामने के लिए एक बहुत बड़ा मार्केट भी बन रहा है। दिवाली के दौरान ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली। इस बार ग्राहकों ने न केवल ज्यादा खर्च किया, बल्कि प्रीमियम प्रोडक्ट्स और तुरंत डिलीवरी सेवाओं को भी प्राथमिकता दी। अमेजन, फ्लिपकार्ट, जेप्टो और स्विगी जैसे प्लेटफॉर्म्स पर रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किए गए। अब त्योहारों की खरीदारी सिर्फ महानगरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छोटे शहरों से भी बड़ी भागीदारी देखने को मिली। डेटम इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में भारत की फेस्टिव ऑनलाइन बिक्री में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी होकर यह 1.2 ट्रिलियन तक पहुंच सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस साल के त्योहारों से साफ है कि अब भारतीय खरीदार तेज डिलीवरी, अच्छी क्वालिटी और प्रीमियम प्रोडक्ट्स को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। एक लोकल सर्वे ने ऑनलाइन शॉपिंग को लेकर सर्वे किया था जिसमें अधिकांश लोगों ने बताया था कि उन्होंने ऑनलाइन शॉपिंग को चुना है। इससे बाजार की भीडभाड से भी राहत मिल रही और लोगों के सामने विकल्प चुनने के भी की ब्रॉड मौजूद थे। इसीलिए विदेशों की तर्ज पर भारत में भी ऑनलाइन शॉपिग तेजी से बढ़ रही है। देश में इ-कॉमर्स का बाजार इन दिनों अपनी बूम पर है। यह सच है, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर कई प्रकार की मनभावक छूट, ऑफर और घर बैठे डिलीवरी की सुविधा मिलती है, यह भी सही है, ऑनलाइन खरीदारी में समय और ऊर्जा की बचत होती है, परंतु नकली प्रोडक्ट्स और डिलेवरी की दिक्कतें भी आम हैं। अब ग्राहकों को सावधानी तो रखनी ही होगी अन्यथा सावधानी हटी और दुर्घटना घटी।

> **एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म पर करीब छह लाख करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है, जिसमें ऑनलाइन पर 1.20 लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान लगाया जा रहा है, जो हमारे देश की जीडीपी का 3.2 प्रतिशत आंका गया है। नामी गिरामी ई-कॉमर्स कंपनियों ने त्योहारी सीज़न और जीएसटी में हालिया बदलाव का फायदा उठाना भी शुरू कर दिया है। उन्होंने पहले ही डिस्काउंट ऑफर देने शुरू कर दिए थे।**

त्योहार के सीजन में लगभग 70 करोड़ ग्राहक बाज़ारों में ख़रीदारी करते हैं और जहां 500 रुपये या उससे कम ख़रीदारी करने वाले लोग हैं वहीं हज़ारों और लाखों रुपये खर्च करने वालों की भी कमी नहीं है और इसीलिए देश में त्योहारी सीजन की महत्ता व्यापार की दृष्टि से बेहद ही महत्वपूर्ण है। त्योहारों पर जिस तरह से विभिन्न प्रकार की चीजों की बिक्री से बाजार गुलज़ार हो रहा है उससे साफ अंदाजा लगा सकते हैं कि आने वाले सभी त्योहारों पर खरीदारी के लिए ग्राहक मन बना चुके हैं। लोग खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंच रहे हैं। दुकानें ग्राहकों से गुलजार होने लगी है। बाजारों में चहल पहल व भीड़-भाड़ देखने को मिल रही है। ऑनलाइन शॉपिंग की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि बाजार में खरीदारी करने वालों की भीड़ बढ़ रही है और आने वाले दिनों में कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। त्योहारी सीजन से इलेक्ट्रॉनिक, कपड़ा, ऑटो मोबाइल, सराफा बाजार में ग्राहकों का रुझान बढ़ा है। पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की बढ़ती संख्या से न केवल इन स्थलों की रौनक बड़ रही है बल्कि अच्छा कारोबार होने से कारोबारियों के चेहरों पर चमक देखने को मिल रही है। यह त्योहारी सीजन हालाँकि महंगाई की मार से उपभोक्ताओं को राहतभरा नहीं है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म पर करीब छह लाख करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है, जिसमें ऑनलाइन पर 1.20 लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान लगाया जा रहा है, जो हमारे देश की जीडीपी का 3.2 प्रतिशत आंका गया है। नामी गिरामी ई-कॉमर्स कंपनियों ने त्योहारी सीज़न और जीएसटी में हालिया बदलाव का फायदा उठाना भी शुरू कर दिया है। उन्होंने पहले ही डिस्काउंट ऑफर देने शुरू कर दिए थे। कई कंपनियों के विज्ञापन में 50 से 80 प्रतिशत डिस्काउंट का वादा किया। अनुसंधान फर्म 'डेटम इंटेलिजेंस' की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में जीएसटी दरों को आमजन के अनुकूल बनाने से इस साल त्योहारी बिक्री 27 प्रतिशत से बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है, क्योंकि टैक्स स्लैब को कम करने से कई जरूरी उत्पादों की कीमत में भारी कमी आई।

नई जीएसटी व्यवस्था में अब सिर्फ 5 और 18 प्रतिशत के 2 टैक्स स्लैब रखे गए हैं और कुछ दरों को पूरी तरह से हटा दिया गया है, जिससे ग्राहकों को 10 प्रतिशत तक की बचत होने का अनुमान है। नई जीएसटी व्यवस्था में टीवी, एसी, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स पर विशेष तौर पर बचत होगी। रिपोर्ट के मुताबिक विगत तीन वर्षों में पहली बार शहरी उपभोक्ताओं के खर्च में वृद्धि देखी गई है। सिर्फ जुलाई महीने में 37.6 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने अपने गैर-जरूरी खर्च में वृद्धि की है।

दुकानदार और ऑनलाइन कम्पनियाँ जहां इन त्योहारों में आकर्षक ऑफर तथा डिस्काउंट की पेशकश कर ग्राहकों को रिझाने का प्रयास करते हैं, वहीं ग्राहक भी इन आकर्षक ऑफरों का लाभ उठाकर जमकर खरीदारी करते हैं। ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योकि ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रीय हो गए है। जो भोले भले लोगों को सस्ते माल के चक्कर में फंसा कर अपना उल्लू सीधा कर रहे है। अधिकृत प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। बैंक स्टेटमेंट और पासवर्ड सुरक्षा सुनिश्चित करें। कैशऑन डिलीवरी अपनाएँ और फर्जी ऑफर्स से बचें। ऐसे में लोगों ने सतर्कता नहीं रखी तो सस्ते में माल खरीदना महंगा भी पड़ सकता है। इसलिए कहा जाता है सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी। इसी दुर्घटना से बचने के लिए समझदारी और सजगता की जरुरत है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

चेतावनी : धर्मांतरण के बढ़ते नेटवर्क और बदलता सामाजिक संतुलन

भारत की सांस्कृतिक आत्मा पर धीरे-धीरे होती चोट

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

भारत की सभ्यता हज़ारों वर्षों से विविधता और सहिष्णुता का प्रतीक रही है। यहाँ सनातन संस्कृति ने न केवल अनेक मत-पंथों को जन्म दिया, बल्कि उन्हें सह-अस्तित्व का स्थान भी दिया। परंतु पिछले कुछ दशकों में एक ऐसी प्रवृत्ति ने समाज के भीतर गहरी दरार डालनी शुरू की है – संगठित और योजनाबद्ध धर्मांतरण की प्रक्रिया, जो अब केवल धार्मिक या सामाजिक नहीं रही, बल्कि भू-राजनीतिक रणनीति का भी हिस्सा बन चुकी है।

भारत में धर्मांतरण की बढ़ती प्रक्रिया

स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक, भारत ने कई बार धार्मिक असंतुलन की झलक देखी है। 1951 की जनगणना में देश में हिंदू जनसंख्या 84.1% थी, जबकि 2011 तक यह घटकर 79.8% रह गई। दूसरी ओर, मुस्लिम जनसंख्या 9.8% से बढ़कर 14.2% और ईसाई जनसंख्या 2.3% से बढ़कर 2.8% तक पहुँची। यह परिवर्तन स्वाभाविक जनसंख्या वृद्धि का परिणाम भर नहीं है; कई राज्यों में संगठित मिशनरी गतिविधियों, विदेशी फंडिंग और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही ने इस असंतुलन को गति दी है।

सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं – छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, असम, नगालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम, केरल और तमिलनाडु। इन राज्यों में या तो आदिवासी जनसंख्या अधिक है, या फिर आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों में धार्मिक सहायता और सामाजिक सेवाओं के नाम पर परिवर्तन की प्रक्रिया तेज़ी से चल रही है।

आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में मिशनरियों की पकड़

धर्मांतरण का सबसे गंभीर पक्ष यह है कि यह सीधे सामाजिक-आर्थिक असमानता का उपयोग करता है। जहाँ सरकार की कल्याणकारी योजनाएँ नहीं पहुँच पातीं, वहाँ मिशनरी संस्थाएँ 'सेवा' के नाम पर घर-घर पहुँचती हैं। स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और मुफ्त राशन जैसी सुविधाओं के माध्यम से धीरे-धीरे धार्मिक पहचान बदलने की प्रेरणा दी जाती है। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ और झारखंड के बस्तर, सरगुजा और गुमला जिले इस गतिविधि के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। स्थानीय भाषा और संस्कृति को अपनाने वाले प्रचारक आदिवासी समुदायों को यह विश्वास दिलाते हैं कि उनकी मूल पहचान 'हिंदू धर्म' से अलग है – जबकि वास्तविकता में वे सदियों से भारत की सांस्कृतिक धारा का अभिन्न अंग रहे हैं।

दक्षिण और उत्तर-पूर्व भारत में बढ़ती सक्रियता

केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में चर्च-संचालित संस्थाओं की जड़ें बहुत गहरी हैं। इनके माध्यम से न केवल समाजसेवा, बल्कि धार्मिक प्रचार-प्रसार भी एक समानांतर शक्ति बन चुका है। वहीं पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर नगालैंड, मिज़ोरम और मेघालय, अब लगभग पूरी तरह से ईसाई-बहुल समाज बन चुके हैं। 1950 में जहाँ ईसाई जनसंख्या नगालैंड में 15% थी, आज वह 90% से अधिक है। यह परिवर्तन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान का भी पुनर्गठन है।

राजस्थान में स्थिति

जब हम धर्मांतरण की बात करते हैं, तो यह विषय केवल दूर के आदिवासी इलाकों या राज्यों तक सीमित नहीं रहा। राजस्थान, हमारा अपना राज्य, इस विषय के केंद्र में आ गया है; यहाँ के अनुभव, घटनाएँ और सरकारी कार्रवाई हमें यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि हमारी सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समझ कितनी मज़बूत है।

स्थानीय घटनाएँ जहाँ धर्म परिवर्तन का आरोप लगा

उदाहरण के लिए, दौसा जिले में अगापे फैलोशिप चर्च को आरोपों का सामना करना पड़ा कि वहाँ धर्मांतरण की गतिविधियाँ हो रही थीं। स्थानीय लोगों के विरोध और मीडिया रिपोर्ट्स के बाद प्रशासन ने जाँच शुरू की। एक और मामला बांसवाड़ा का है, जहाँ एक नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया कि प्रेम जाल और प्रेग्नेंसी के बाद उस पर जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया गया। पुलिस ने मामले को दर्ज किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में प्रलोभन या प्रलोभन द्वारा धर्म परिवर्तन के आरोप अक्सर सामने आते हैं, लेकिन जांच की प्रगति, न्यायालयिक कार्यवाही या दोष सिद्धि की दर बहुत कम पायी जाती है।

धर्मांतरण विरोधी बिल पास और केसों की संख्या

सितंबर 2025 में राजस्थान विधानसभा ने Rajasthan Prohibition of Unlawful Religious Conversion Bill, 2025 पारित किया। इस बिल के बाद सरकार ने स्वीकार किया है कि पिछले पाँच वर्षों में राज्य में केवल 13 धर्मांतरण मामले दर्ज हुए हैं। सरकार का दावा है कि "love jihad" नाम से कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। यह संख्या अपेक्षाकृत कम है, जो दिखाती है कि व्यापक, हिंसात्मक या जबरन धर्मांतरण की कथित घटनाएँ (जो अक्सर मीडिया या राजनीति में बड़ी बातें बन जाती हैं) वास्तविक घटनाओं की तुलना में कम हों।

कानून की सख्ती और दंड का प्रावधान

नया कानून प्रत्येक अनौचित या जबरन धर्मांतरण को अपराध मानता है। यदि विवाह केवल धर्मांतरण के उद्देश्य से किया गया हो, तो विवाह को अवैध माना जाएगा। बल, प्रलोभन, छल आदि के माध्यम से किए गए परिवर्तन पर 7-14 साल जेल और 5-10 लाख जुर्माना जैसे प्रावधान हैं। मास / समूह धर्मांतरण की स्थिति में सजा और भी ज़्यादा है, और विशेष रूप से अनुसूचित जाति / जनजाति / नाबालिगों की सुरक्षा के लिए कठोर प्रावधान हैं। नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश और इंडोनेशिया के उदाहरण भारत के पड़ोसी देशों में भी यह रुझान दिखाई देता है।

नेपाल: जहाँ कभी हिंदू राष्ट्र की पहचान थी, वहाँ 2015 में नया संविधान धर्मनिरपेक्ष घोषित किया गया, और इसके बाद से मिशनरियों की गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

श्रीलंका: तमिल-बहुल इलाकों में चर्च नेटवर्क का विस्तार हुआ, जिसने स्थानीय सामाजिक ढाँचे को प्रभावित किया।

बांग्लादेश: 1971 के बाद से इस्लामीकरण की नीति ने हिंदू जनसंख्या को 20% से घटाकर 8% से भी कम कर दिया।

इंडोनेशिया: यहाँ मुस्लिम बहुल शासन व्यवस्था के बीच ईसाई प्रचार पर नियंत्रण के बावजूद बाहरी NGO फंडिंग से कुछ क्षेत्रों में जनसंख्या संतुलन बदलने के प्रयास हुए हैं।

लेबनान: कभी एक ईसाई, आधुनिक, उदार और सांस्कृतिक रूप से जीवंत मध्य – पूर्वी देश हुआ करता था – सन् 1970 तक वहाँ का समाज धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक खुलापन का प्रतीक माना जाता था। उस दौर में मुस्लिम शरणार्थियों को पनाह देने वाला लेबनान, धीरे-धीरे कट्टरपंथ और बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप का शिकार बन गया। परिणाम स्वरूप ईसाईयों को अपना देश छोड़ना पड़ा और आज यह आतंकवादियों का पसंदीदा देश है।

काबुल: इसी तरह, सन् 1990 से पहले का काबुल भी एक आज़ाद और आधुनिक शहर था – जहाँ महिलाएँ आधुनिक वस्त्र पहनकर सड़कों पर बेझिझक घूमती थीं, विश्वविद्यालयों में शिक्षा लेती थीं, और कला-संस्कृति का माहौल गहराई से बसा था। इतना ही नहीं, उस समय बॉलीवुड की कई फिल्मों की शूटिंग भी इन देशों में होती थी। लेकिन कुछ ही वर्षों में ये सभी शहर कट्टर विचारधारा, विदेशी फंडिंग और धार्मिक राजनीति के केंद्र बन गए – और आज वहाँ की स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि अगर समाज समय रहते नहीं चेता, तो सभ्यता के केंद्र भी कट्टरता की गिरफ्त में आ सकते हैं।

इन सभी देशों में एक समानता है – धर्मांतरण को भू-राजनीतिक शक्ति के रूप में प्रयोग करना, ताकि सांस्कृतिक पहचान को कमजोर कर राजनीतिक और रणनीतिक प्रभाव स्थापित किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और भारत की चुनौती

धर्मांतरण अब केवल धार्मिक परिवर्तन का विषय नहीं रहा। यह एक वैश्विक सॉफ्ट-पावर टूल बन चुका है।अमेरिका, यूरोप और कुछ अंतरराष्ट्रीय NGO नेटवर्क, रिलीफ एंड फेथ बेस्ड डेवलपमेंट के नाम पर भारत में अरबों डॉलर की विदेशी सहायता भेजते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, FCRA (Foreign Contribution Regulation Act) के तहत 2022-23 में भारत में कुल 23,000 करोड़ से अधिक विदेशी चंदा आया, जिसमें से धर्म आधारित NGO को सबसे अधिक हिस्सा मिला। मेरा केंद्र सरकार के प्रति सुझाव है कि सभी ट्रस्ट, एनजीओ और सोसाइटीज़ जो कानून के तहत पंजीकृत हैं, उनकी आयकर विभाग द्वारा नियमित और आवश्यक स्क्रूटिनी की जानी चाहिए। इस तरह सरकार को पता चलेगा कि पैसा किस स्त्रोत से आ रहा है, किस उद्देश्य के लिए प्राप्त किया गया है और क्या वह देश की अखंडता के लिए खतरा बनता है। साथ ही यह भी जांचा जाना चाहिए कि प्राप्त धन का अंतिम उपयोग किस प्रकार से हो रहा है। इन फंडों का दीर्घकालिक उद्देश्य सांस्कृतिक प्रभाव क्षेत्र का विस्तार करना होता है। यही कारण है कि कई बार इन गतिविधियों के परिणामस्वरूप स्थानीय भाषाएँ, परंपराएँ और लोक-आस्था धीरे-धीरे समाप्त होती जाती हैं – और उसके स्थान पर पश्चिमी या अरबी प्रभाव वाला जीवन-दर्शन पनपता है।

सांस्कृतिक असंतुलन और सामाजिक तनाव

धर्मांतरण केवल धार्मिक आँकड़ों का विषय नहीं है। यह समाज में सांस्कृतिक असंतुलन और आपसी अविश्वास की जड़ें बोता है। जब एक ही गाँव, परिवार या समुदाय के लोग अलग-अलग धार्मिक पहचान अपना लेते हैं, तो पीढ़ियों की एकता टूट जाती है। यह विभाजन राजनीतिक लाभ का साधन बनता है – स्थानीय चुनावों में धर्म आधारित मतदाता ध्रुवीकरण के रूप में। असम, झारखंड और छत्तीसगढ़ में कई बार देखा गया कि जहाँ धर्मांतरण तेज़ हुआ, वहीं सांप्रदायिक टकराव, हिंसा और जनसंख्या असंतुलन के खतरे भी बढ़े। कुछ जिलों में स्थानीय आदिवासी अब खुद को हिंदू न कहकर मूल निवासी या सरना पहचान से जोड़ रहे हैं – जिसे अलग धर्म घोषित करने की मांग भी उठ रही है। यह स्थिति भारत की सांस्कृतिक एकता के लिए गंभीर संकेत है।

आने वाले दशकों की दिशा

यदि यह प्रवृत्ति इसी गति से चलती रही, तो आने वाले 30-40 वर्षों में कई क्षेत्रों में धार्मिक जनसांख्यिकी पूरी तरह बदल सकती है। भारत में धर्मांतरण के विरुद्ध कई राज्य जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड पहले ही कड़े कानून बना चुके हैं। परंतु इन कानूनों के प्रभाव को धरातल पर लागू करना अब भी चुनौती है – क्योंकि गतिविधियाँ अब डिजिटल, आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय रूप में फैली हुई हैं।

आवश्यक उपाय और आत्म-पुनरावलोकन

स्थानीय डेटा संग्रह और पारदर्शिता

जिले-स्तर पर मामलों की संख्या, पुलिस रिपोर्ट, आरोपों की प्रकृति (प्रलोभन, विवाह, बल आदि) सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होनी चाहिए। यह मीडिया या सामाजिक संगठनों की रिपोर्ट पर निर्भर नहीं होना चाहिए, बल्कि सरकारी रिकॉर्ड और न्यायालयीन प्रकरणों से समर्थित होना चाहिए।

पुलिस और न्यायालयीन प्रक्रिया में त्वरितता और निष्पक्षता

स्थानीय पुलिस को ऐसे मामलों में तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए; पीड़ितों को न्यायालयीन प्रक्रिया में सुरक्षा और कानूनी मदद सुनिश्चित हो; झूठे आरोपों की जाँच हो; झूठे मामलों में कानूनी निष्कर्ष तक पहुँचने की संभावनाएँ हों।

सामाजिक सेवाओं का क्षेत्रीकरण

शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय कार्यक्रमों की पहुँच उन स्थानों पर जहाँ आर्थिक-शैक्षिक पिछड़ापन अधिक है, जैसे आदिवासी इलाकों, पिछड़े ब्लॉकों में। यदि लोगों को शिक्षा या स्वास्थ्य सुविधा के कारण धर्म परिवर्तन करना पड़ता है, यह संकेत है कि मूल आवश्यकता पूरी नहीं हो रही।

कानूनी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा

नया कानून प्रभावी है, पर इसे लागू करते समय धार्मिक स्वतंत्रता, संविधान की आस्था-स्वतंत्रता की गारंटी, और निजी जीवन की रक्षा का ध्यान रखना चाहिए। साथ ही इस तरह के कानूनों के दुरुपयोग की आशंका को कम करने के लिए शपथ पत्र, गवाह, दस्तावेज़ आदि की सख़्त जाँच हो।

समुदाय आधारित जागरूकता अभियान : लोकतांत्रिक होने के नाते हमें गाँवों, मोहल्लों, स्कूलों में इस विषय पर संवाद खोलना चाहिए – धर्म परिवर्तन के आरोपों की सच्चाई क्या है, अधिकार क्या हैं, कानूनी चुनौतियाँ क्या हैं। धार्मिक नेतृत्व (ग्राम धर्मगुरु, पुजारी, मौलवियों) को इस संवाद में शामिल करना चाहिए ताकि समाज के विश्वास टूटने से पहले संबोधन हो सके। यह विषय केवल सरकार या सुरक्षा एजेंसियों के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए आत्मचिंतन का प्रश्न है। हमें यह समझना होगा कि धर्मांतरण की जड़ें केवल बाहर से नहीं आतीं – वे वहीं उगती हैं जहाँ गरीबी, असमानता, शिक्षा और स्वास्थ्य की कमी है। यदि हम इन बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं करेंगे, तो कोई भी कानून इस प्रवृत्ति को नहीं रोक सकेगा। हमें शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में अपने स्वयंसेवी संगठनों को सशक्त बनाना होगा। गाँवों, पहाड़ी और जनजातीय इलाकों में ऐसे प्रयास होने चाहिए जो धर्म नहीं, बल्कि मानवता के आधार पर सेवा दें। सांस्कृतिक जागरूकता को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ना, युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से परिचित कराना – यही इस चुनौती का स्थायी उत्तर है। भारत की ताकत उसकी विविधता और सहिष्णुता में है, परंतु यह तभी टिक सकती है जब उसकी जड़ें मज़बूत रहें। धर्मांतरण की यह बढ़ती लहर हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या हम अपनी सांस्कृतिक आत्मा की रक्षा कर पा रहे हैं?

यह समय है आत्मपरीक्षण का – धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना के आधार पर जिसने भारत को सदियों तक एकता में बाँधे रखा है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

किसान ने स्मार्ट फार्मिंग से अमरूद की खेती कर लाखों का मुनाफा कमाया

10वीं पास किसान ने खेती के लिए खुद सोशल मीडिया से जानकारी जुटाई

> ■ **जैविक खेती के जरिए 1 बीघा में 90 क्विंटल अमरूद उगाए, इसके बाद धीरे-धीरे उत्पादन बढ़ाते हुए साढ़े चार बीघा में 10 टन अमरूद उगा रहे हैं**

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां किसान ने स्मार्ट फार्मिंग से अमरूद (सफेदा) की खेती कर 10 लाख का मुनाफा कमाया है। उन्होंने इसकी खेती के लिए खुद सोशल मीडिया से जानकारी जुटाई। जैविक खेती के जरिए 1 बीघा में 90 क्विंटल अमरूद उगाए इसके बाद धीरे-धीरे उत्पादन बढ़ाते हुए साढ़े चार बीघा में 10 टन अमरूद उगा रहे हैं। अब व्यापारी सीधे खेत से ही 50 किलो के अमरूद खरीदने आते हैं। किसान मनोहर लाल बताते हैं कि पारंपरिक खेती से मुनाफा कम होता है। पहले एक बीघा फिर साढ़े चार बीघा पर अमरूद की जैविक खेती शुरू की।

उन्होंने यूट्यूब पर अमरूद की खेती के बारे में देखना और आसपास इसकी जानकारी जुटाना शुरू किया। अमरूद की खेती से जुड़े वीडियोज भी देखे। पौध मंगाने के लिए हरियाणा के हिसार में बालाजी नर्सरी से संपर्क किया। मनोहर बताते हैं कि यहां से उन्होंने सफेदा अमरूद की फोर्ड वैरायटी के पौधे मंगवाए। जैविक खाद का इस्तेमाल कर उन्होंने पौधे लगाए। करीब 2 साल बाद पौधों पर फल लगने शुरू हुए और पहले ही साल में 10 लाख रुपए की कमाई हो गई। अब एक बीघा से करीब 90 क्विंटल अमरूद का उत्पादन होता है। साढ़े चार बीघा में कुल करीब 10 टन अमरूद तैयार होता है। मनोहर बताते हैं कि व्यापारी खुद खेत पर आकर 50 किलो के हिसाब से अमरूद खरीदते हैं। मनोहरलाल का अमरूद श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ सहित पूरे राजस्थान में सप्लाई होता है।

मनोहरलाल ने बताया कि सफेदा अमरूद में नरम बीज होते हैं, जिसे आसानी से खाया जा सकता है। यह किस्म सबसे मीठे अमरूद देती है और इसमें कीड़े भी नहीं लगते। फल चिकने और चमकदार होते हैं। पकने पर बाहर से हल्का पीला और अंदर से सफेद गूदा होता है। एक फल का औसत वजन 150-200 ग्राम होता है।

श्रीगंगानगर से अमरूद लेने आए व्यापारी नानक सिंह ने बताया कि सफेदा अमरूद खाने में सबसे बेस्ट है। इसके बीज नरम होने के कारण इसकी खरीदारी ज्यादा होती है। सीधे खेत से अमरूद लेने में फायदा होता है। ताजा अमरूद पौधों से तोड़कर, इसे पेटियों में पैक कर बेचने के लिए ले जाते हैं। यह अमरूद पूरी तरह से जैविक है और इसमें कीड़े, मच्छर, मक्खी वगैरह भी नहीं लगते।

मनोहर ने बताया कि सफेदा अमरूद की किस्म साल भर फल दे सकती है, लेकिन मुख्य फसल सर्दियों में आती है। एक पौधे से कम से कम 100 से 150 किलो फल हर साल प्राप्त होते हैं। फलों की शेल्फ लाइफ अच्छी होती है, जो ट्रांसपोर्ट और बाजार के लिए अच्छी है। यह किस्म अमरूद की खेती के लिए शुरुआती किसानों के लिए भी आसान है, क्योंकि यह कम रखरखाव वाली है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 25 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र प्रातः 7:52 तक, शोभन योग प्रातः 6:45 तक, वणिज करण दिन 2:34 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रातः 2:52 से आरम्भ होगा। भद्रा दिन 2:34 से रात्रि 3:49 तक रहेगी। आज विनायक चतुर्थी, दुर्वा गणपति व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:00 से 9:23 तक, चर 12:11 से 1:35 तक, लाभ अमृत 1:35 से 4:22 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:36, सूर्यास्त 5:46

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

वृष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति एवं आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। वास्थ्य ठीक रहेगा।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 350 प्रभात हिण्डौन सिटी, शनिवार 25 अक्टूबर, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

समस्तीपुर रैली में नीतीश कुमार मोदी का हाथ पकड़ कर मंच पर बैठे थे

उन्हें पूर्ण विश्वास था कि मोदी उनका हाथ पकड़ कर ऊँचा करेंगे, और नीतीश हमारे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं, की घोषणा करेंगे

- श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। नीतीश कुमार और जदयू को उम्मीद थी कि महागठबंधन द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के बाद, भाजपा कुमार को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करेगी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज समस्तीपुर की एक रैली में उनकी ऐसी तमाम अपेक्षाओं पर पानी फेर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर बिहार के इस जिले में कुमार के साथ रैली को संबोधित करते हुए, पार्टी की उसी लाइन पर बने रहे, जिसका उल्लेख कुछ दिन पहले गृह मंत्री अमित शाह ने किया था। प्रधानमंत्री ने कहा, "इस बार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए, सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ेगा। बिहार एनडीए को अपना अब तक का सबसे बड़ा जनादेश देगा।"

- पर ऐसा कुछ नहीं हुआ, मोदी ने भी अमित शाह की बात को दोहराया कि चुनाव के बाद विधायक मुख्यमंत्री चुनेंगे।
- गत बीस वर्षों में नीतीश बिहार का राजनीतिक चेहरा रहे हैं और हर चुनाव में राजनीतिक नेतृत्व उनके हाथ में रहा है, चाहे जदयू, एनडीए के साथ रही हो या महागठबंधन के।
- उनके नेतृत्व को शायद ही किसी ने चुनौती दी, पर, इस बार की उनकी राजनीतिक स्थिति में परिवर्तन सबको नज़र आ रहा है।

यह स्थिति गृह मंत्री द्वारा पहले दी गई लाइन से अलग नहीं है, जब उन्होंने कहा था कि "वे मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित करने वाले कौन होते हैं, क्योंकि नेता के चुनाव पर तो निर्वाचित विधायक ही निर्णय लेंगे।

जदयू नेताओं को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री नीतीश कुमार की मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी को ज्यादा स्पष्ट कर देंगे। मंच पर, कुमार प्रधानमंत्री का हाथ थामे दिखाई दिये, शायद इस उम्मीद में, कि मोदी उनके हाथ को उठाकर यह प्रतीकात्मक रूप से दर्शा देंगे कि वे एनडीए की जीत की स्थिति में मुख्यमंत्री बने रहेंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री की ओर से ऐसा कोई समर्थन या पुष्टि नहीं मिलने पर, महागठबंधन के नेताओं को एनडीए के भीतर के मनमुटाव पर खेल खेलने का अवसर मिल गया है, विशेष रूप से भाजपा द्वारा कुमार को अलग करने के प्रयासों के संदर्भ में।

भाजपा नेतृत्व ने अब तक केवल इतना ही कहा है कि एनडीए का चुनाव अभियान नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है। यही स्थिति मोदी ने समस्तीपुर में दोहराई, जब उन्होंने याद दिलाया कि 2005 में बिहार ने "जंगल राज" से मुक्ति पाई और "कुमार के नेतृत्व में एनडीए का सुशासन शुरु हुआ।" पिछले 20 वर्षों में, कुमार बिहार का एकदम राजनीतिक चेहरा बने रहे, चाहे जदयू एनडीए के साथ रहा हो, या महागठबंधन के साथ। उनकी नेतृत्व पर कभी सवाल नहीं उठा। लेकिन इस चुनाव में उस स्थिति में एक महत्वपूर्ण बदलाव दिखाई दे रहा है।

राजस्थान को दूसरा स्थान मिलने पर मुख्यमंत्री ने बधाई दी

जयपुर, 24 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय पोषण माह-2025 में राजस्थान को देशभर में द्वितीय स्थान प्राप्त होने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि जनसहभागिता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की निष्ठा व मेहनत तथा राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम है। यह कीर्तिमान सम्पूर्ण प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

- उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह-2025 में यह उपलब्धि जन सहभागिता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं की मेहनत से मिली है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पोषण के क्षेत्र में सुधार हेतु नवाचार किए गए हैं, जिसके तहत पोषण माह 2025 में जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता, गृह भ्रमण, पौष्टिक आहार वितरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परामर्श के लिए व्यापक गतिविधियां आयोजित की गईं।

मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा सहयोगियों और स्थानीय संगठनों का उनके योगदान के लिए आभार भी व्यक्त किया।

अमेरिका के आर्थिक प्रतिबंध का व्यापक असर रूस के ऑयल निर्यात पर दिख रहा है

रूस के टॉप इकोनॉमिक एडवाइज़र दिमीत्रिएव को अमेरिका भेजा गया, वहाँ के वरिष्ठ इकोनॉमिक स्पेशलिस्ट से बात करने

-अंजन रॉय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। डॉनल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंधों का असर दिखना शुरू हो गया है।

रूस की प्रमुख तेल कंपनियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध की घोषणा के तुरंत बाद, रूस के शीर्ष आर्थिक सलाहकार, अमेरिकी आर्थिक मामलों के वरिष्ठ विशेषज्ञों के साथ आधिकारिक स्तर की वार्ता करने के लिए अमेरिका पहुँच गए हैं।

रूसी अर्थशास्त्री किरिल दिमीत्रिएव, जो राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सलाह दे रहे हैं, वॉशिंगटन पहुँच गए हैं। उनका यह अमेरिकी दौरा कई जटिल व्यवस्थाओं के साथ सफल हो पाया। दिमीत्रिएव पूर्व में रूस के एक महत्वपूर्ण व्यक्ति और पुतिन व उनके परिवार के मित्र माने जाते रहे हैं और उन पर रूस से बाहर अमेरिका की यात्रा करने पर पाबंदी थी।

अमेरिकी विदेश विभाग को दिमीत्रिएव पर लगे प्रतिबंधों में छूट देनी पड़ी, ताकि प्रशासन उन्हें वाशिंगटन यात्रा के लिए वीज़ा जारी कर सके। इन लोगों को लगा कि दिमीत्रिएव यात्रा इतनी महत्वपूर्ण थी कि उन्हें इस तरह की छूट दी जानी चाहिए। दिमीत्रिएव का जन्म सोवियत यूक्रेन में समाजवादी युग के दौरान हुआ था और उन्होंने रूस में, उसके बाद अमेरिका के हार्वर्ड और फिर स्टैनफर्ड विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की। एक तरह से, दिमीत्रिएव को पश्चिमी वित्तीय जगत का अंदरूनी जानकार कहा जा सकता है। उन्होंने मैकिन्से कंसल्टेंसी विंग के साथ काम किया था और उसके बाद गोल्डमैन सैक्स में निवेश बैंकर के रूप में काम किया। वे निजी क्षेत्र से आने वाले ट्रम्प प्रशासन के कई अधिकारियों जैसी ही भाषा बोलते हैं।

- दिमीत्रिएव हार्वर्ड व स्टैनफर्ड विश्वविद्यालयों में पढ़े हैं, मैकिन्से कंसल्टेंसी और गोल्डमैन सैक्स इनवेस्टमैंट बैंकर कंपनी में भी काम कर चुके हैं।
- वे वो ही भाषा बोलते हैं, जिसका उपयोग ट्रंप के निकटतम इकोनॉमिक अधिकारी भी करते हैं। अमेरिका ने भी दिमीत्रिएव की यात्रा को महत्वपूर्ण मानते हुए वीसा की औपचारिकताएँ ढीली करीं।
- रूस के लिए ऑयल का निर्यात अतिमहत्वपूर्ण है और इसी से प्राप्त धन से वो यूक्रेन युद्ध को फायनैंस कर पाता है।
- रूस की कोशिश है कि जब तक रूस के तेल को बेचने के लिए नये रास्ते नहीं बन जाते, तब तक अमेरिका के सैंक्शन्स पर कुछ ढिलाई रहे।

व्लादिमीर पुतिन तेल प्रतिबंधों के महत्व को समझते हैं और उन्होंने इस फैसले की निंदा की है। रूसी तेल कंपनियाँ यूक्रेन में पुतिन के युद्ध की जीवनरेखा हैं, क्योंकि इन्हीं से लंबे समय तक चलने वाले इतने महंगे युद्ध के लिए धन जुटाया जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आँध्र प्रदेश में चलती बस में आग लगी, 20 ज़िंदा जले

हैदराबाद से बैंगलूरु जा रही बस से एक बाइक टकरा गई, जिससे फ्यूल टैंक का ढक्कन खुल गया और आग लग गई

कुरनूल, 24 अक्टूबर। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के निकट एक निजी बस में दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई। इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में बाइक सवार एक व्यक्ति भी शामिल है। हादसे पर पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शोक जताया है।

प्रारंभिक सूचना के अनुसार, बंगलूरू से हैदराबाद जा रही बस में हादसे के समय करीब 41 लोग सवार थे। इसमें कहा गया है कि टक्कर के बाद मोटरसाइकिल बस के नीचे आ गयी और इसके ईंधन टैंक का ढ क्कन खुल गया, जिससे आग लग गई।

कुरनूल के जिला कलेक्टर डॉ ए सिरी ने बताया, यह दुर्घटना सुबह 3 से 3:10 बजे के बीच हुई, जब बस एक बाइक से टकरा गई, जिससे ईंधन रिसाव हुआ और आग लग गई। कुल 41 यात्रियों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है। बाकी 20 में से 11 के शवों की ही अब तक पहचान हो पाई है। बाकी शवों की पहचान के प्रयास जारी हैं। कुरनूल संभाग के पुलिस उप महानिरीक्षक कोया प्रवीण ने बताया, 19 यात्री, दो बच्चे और दो चालक इस दुर्घटना में बाल-बाल बच गए। पुलिस ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बस का दरवाजा जाम हो गया और कुछ ही

- हादसा कुरनूल के चिन्नाटेकुर के पास अल सुबह 3:30 बजे हुआ। प्राइवेट बस में 40 यात्री सवार थे। अभी 11 शवों की ही पहचान हो पाई है, अधिकांश यात्री हैदराबाद के बताए जा रहे हैं।
- पुलिस ने बताया कि आग लगने से शॉर्ट सर्किट हुआ और बस के दरवाजे जाम हो गए और कुछ ही मिनटों में बस जलकर खाक हो गई।
- पुलिस ने बताया, हादसे में 21 यात्रियों को बचा लिया गया है, जिनमें दो बच्चे व दोनों ड्राइवर शामिल थे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर हैल्पलाइन शुरु की गई है।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर शोक जताया। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख रूपए व घायलों को 50,000 रूपए सहायता राशि देने की घोषणा की।
- आँध्र प्रदेश पुलिस सूत्रों ने बताया, दोनों फरार ड्राइवर हिरासत में ले लिए गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल ने सीताराम केसरी को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 24 अक्टूबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम केसरी को उनकी 25वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

- 25 साल में पहली बार है जब राहुल गांधी ने सीताराम केसरी को श्रद्धांजलि दी है। बिहार के दिग्गज नेता रहे केसरी 1996 से 1998 तक कांग्रेस अध्यक्ष रहे थे।

गांधी ने यहां पार्टी मुख्यालय 24 अकबर रोड में केसरी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। केसरी लंबे समय तक कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीताराम केसरी 1996 से 1998 तक कांग्रेस अध्यक्ष भी रहे। उनका निधन 24 अक्टूबर 2000 को हुआ था।

केसरी बिहार कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में से एक रहे हैं। बिहार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने बेगुसराय की रैली में कांग्रेस व आरजेडी के ग्रुप को "लट्ठबंधन" बताया

उन्होंने यह भी कटाक्ष किया कि बिहार को आरजेडी की लालटेन (चुनाव चिह्न) की जरूरत नहीं हैं, क्योंकि अब सबके मोबाइल में फ्लैश लाईट की सुविधा है

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को बिहार में चुनाव प्रचार की शुरुआत की, जहाँ उन्होंने समस्तीपुर और बेगुसराय में दो सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया।

बेगुसराय में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में चुनावी लड़ाई एनडीए और "लठबंधन" के बीच है।

उन्होंने कहा कि जंगल राज के नेताओं को केवल अपनी परिवारों की चिंता थी और उन्होंने बिहार के युवाओं के जीवन को नष्ट कर दिया, जबकि वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने राज्य को समृद्ध किया।

- मोदी ने इसी आक्रामक स्वर में आगे यह भी कहा, रैली में, कि आरजेडी ही जिम्मेदार है बिहार के युवाओं के बिहार से पलायन के लिए।
- मोदी ने यह भी कटाक्ष किया रैली में, कि गत दो दशकों में आरजेडी ने कोई चुनाव नहीं जीता है, पर, अभी भी उनका अभिमान आसमान छू रहा है और इसी के कारण झारखंड मुक्ति मोर्चा ने महागठबंधन की सदस्यता छोड़कर चुनाव में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है।

बिहार के बेगुसराय में अपनी दूसरी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य के लोगों को अब लालटेन (राजद का चुनाव चिन्ह) की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनके पास अब मोबाइल फोन में टॉर्च है। उन्होंने कहा कि राजद बिहार से युवाओं के पलायन के लिए भी जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा कि एनडीए ने जंगल राज को समाप्त किया और राज्य में अच्छे शासन को लाया। उन्होंने कहा कि इस बार बिहार में मुकाबला सत्तारूढ़ "गठबंधन और महागठबंधन" के बीच है। प्रधानमंत्री ने कहा, "आप सभी को याद रखना चाहिए कि राजद-कांग्रेस का नाम लेते ही निवेशक भाग जाते हैं। जो लोग नौकरियों के नाम पर गरीबों से ज़मीनें छीनते हैं, वो कभी आपको रोजगार नहीं देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अगुवाई वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बिहार चुनाव से अपने छह उम्मीदवारों को वापस लेने के फैसले को लेकर भी आरजेडी पर हमला बोला और कहा, झामुमो ने लालू प्रसाद यादव की पार्टी के अहंकार और अक्खड़पन के कारण महागठबंधन छोड़ दिया।

जानकारी के लिए बता दें कि झामुमो ने छह उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था, लेकिन अब उसने कहा है कि राजद और कांग्रेस की राजनीतिक साजिश के कारण अब वह चुनाव नहीं लड़ेगा। झामुमो ने यह भी घोषणा की है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीकानेर पूर्व राजघराने का संपत्ति विवाद : राज्यश्री कुमारी को जूनागढ़ में प्रवेश से रोका

राजश्री कुमारी को पैत्रिक मंदिर के दर्शन प्रवेश से रोकने के लिये पुलिस का जाब्ता भी बुलाया

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर पूर्व राजघराने का सम्पत्ति विवाद शुक्रवार को फिर चर्चा में आ गया है, जब राजश्री कुमारी को जूनागढ़ स्थित उनके पैत्रिक मंदिर के दर्शन प्रवेश से रोक लिया गया। इतना ही नहीं उन्हें रोकने के लिये पुलिस का जाब्ता भी बुलाया गया। कोटगेट थानाधिकारी विश्वजीत सिंह भी मौके पर पहुंचे, लेकिन राज्यश्री कुमारी, उनके विधि सलाहकार एडवोकेट कमल नारायण पुरोहित और अविनाश व्यास को प्रवेश की आज्ञा नहीं दी गई। प्रवेश को लेकर करीब एक घंटे तक दोनों पक्षों की ओर से वाद-प्रतिवाद चलता रहा। वहीं राजश्री कुमारी के अधिवक्ताओं की ओर से 13 अक्टूबर को न्यायालय की ओर से सुनाए गये फैसले की कॉपी भी पुलिस को दिखाई, किन्तु पुलिस ने किसी प्रकार से प्रवेश नहीं दिया गया। तो सिद्धिकुमारी के अधिवक्ता अशोक व्यास ने ऐसे किसी प्रकार के फैसले को सही नहीं बताया, जिसके चलते राज्यश्री कुमारी को वापस लौटना पड़ा।

राज्यश्री का तर्क था कि मंदिर दर्शन करने के आने की सूचना दी गई थी। राज्यश्री कुमारी ने कहा कि हमें न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि जूनागढ़ किले में हमारे मंदिर हैं, अगर मुझे मंदिर में ही जाने पर रोका गया तो गलत है। आज ही पूर्व महाराजा नरेंद्र सिंह की पुण्यतिथि है, लेकिन आज ही के दिन उनकी बहन को किले में बने मंदिर में प्रवेश करने से रोका गया।

राज्यश्री के निजी सचिव गोविंद सिंह ने कहा कि एडीजे कोर्ट तीन ने राज्यश्री कुमारी के प्रशासक होने और सम्पतियों पर कब्जा व हिसाब-किताब का नियंत्रण होने के तथ्य को सही मानते हुए राज्यश्री के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया है। साथ ही चल अचल संपत्तियों के संचालन के योग्य माना है। इसी निर्णय के आधार पर राज्यश्री का स्टाफ जूनागढ़ पहुंचा था। जहां उनके आने की सूचना पहले पहुंच गई। ऐसे में प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड और पुलिस ने राज्यश्री व उनके स्टाफ को अंदर जाने से रोक दिया था।

बीकानेर पूर्व से भाजपा विधायक सिद्धि कुमारी पर राज्यश्री कुमारी ने पहले भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका आरोप है कि सरकार और विधायकी के दबाव में मनमानी कर रही है, जिसके चलते आज मंदिर के दर्शनार्थ भी पुलिस बुलाई गई है ताकि वे मंदिर में प्रवेश न कर सके। उन्होंने कानून व्यवस्था पर भरोसा जताया और कहा कि उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। हालांकि सिद्धि कुमारी की ओर से अभी तक इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

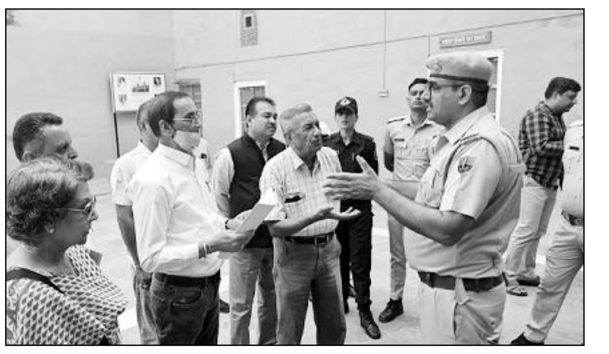

पूर्व राजघराने के संपत्ति विवाद मामले में राज्यश्री कुमारी को जूनागढ़ में प्रवेश से पुलिस ने रोक दिया

डॉ. करणी सिंह की वसीयत में उनकी संपत्ति से जुड़े ट्रस्टों की देखरेख के लिए कुल 5 प्रशासक बनाए गए थे। इनमें डॉ. करणी सिंह की पत्नी सुशीला कुमारी, राजसिंह डूंगरपुर, अरविंद सिंह मेवाड़, मानेकशा और राज्यश्री बतौर प्रशासक रहे। जब तक सुशीला कुमारी जीवित थी, तब तक इसका संचालन उन्होंने ही किया। पांच में से चार प्रशासक की मृत्यु के बाद राज्यश्री अकेली प्रशासक रही हैं। इसी को आधार बनाते हुए सिद्धि कुमारी ने उनके प्रशासकशिप को ही चुनौती दी थी। सुशीला कुमारी की मृत्यु के बाद उनकी बेटी सिद्धि कुमारी ने संपत्तियों पर अपना अधिकार जताया। बाद में सिद्धि कुमारी ने अदालत में केस दायर कर दिया। कोर्ट से मिले स्टे को राज्यश्री कुमारी ने अपने पक्ष में माना पूर्व राजमाता सुशीला कुमारी के देहांत के बाद सिद्धि कुमारी ने जिला न्यायाधीश संख्या तीन में एक वाद प्रिंसेस राज्यश्री कुमारी व प्रिंसेस मधुलिका कुमारी समेत अन्य के खिलाफ केस दायर किया। इसमें सिद्धि कुमारी ने राज्यश्री के नियंत्रण से संपत्तियों, हिसाब-किताब का नियंत्रण और कब्जा मांगा था। इस पर राज्यश्री ने कोर्ट में कहा कि सिद्धि कुमारी मान रही है कि सम्पतियों का नियंत्रण व हिसाब-किताब प्रशासक के रूप में उनके पास है, तो फिर सिद्धि कुमारी अवैध रूप से इन संपत्तियों को खुर्द-बुर्द करने का प्रयास कर रही है। ऐसे में कोर्ट ने कहा कि जब तक केस में फैसला नहीं होता, तब तक स्टे रहेगा। इस स्टे को राज्यश्री ने अपने पक्ष में माना है। इसके बाद राज्यश्री ने फिर से ट्रस्ट पर स्वयं के अधिकार का दावा किया है।

- राज्यश्री कुमारी, उनके विधि सलाहकार एडवोकेट कमल नारायण पुरोहित और अविनाश व्यास को प्रवेश की आज्ञा नहीं दी गई

महाराजा करणी सिंह के समय और इसके बाद कुछ ट्रस्ट गठित किए गए। इनमें महाराजा गंगा सिंह ट्रस्ट, महाराजा राय सिंह ट्रस्ट, करणी सिंह फाउंडेशन, करणी चैरिटेबल ट्रस्ट और महारानी सुशीला कुमारी ट्रस्ट का गठन किया गया। इन पांचों ट्रस्ट को पहले करणी सिंह की बेटी राज्यश्री कुमारी ही देखती थीं। महाराजा करणी सिंह ने राज्यश्री को कुछ अधिकार दिए थे। इसके बाद अधिकांश ट्रस्ट में राज्यश्री ही सर्वेसर्वा रही।

वर्तमान में गंगा सिंह ट्रस्ट के अधीन लालगढ़ पैलेस और लक्ष्मी निवास पैलेस हैं। ये दोनों फाइव स्टार होटल के रूप में संचालित हो रहे हैं। लालगढ़ और लक्ष्मी निवास की मौजूदा कीमत अरबों रुपए में आंकी जा रही है। दोनों पैलेस एक ही परिसर में कई बीघा जमीन पर हैं। बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी लालगढ़ के ही एक हिस्से में रहती हैं। पहले पूर्व राजमाता सुशीला कुमारी (पूर्व महाराजा करणी सिंह की पत्नी) भी लालगढ़ के इसी हिस्से में रहती थी। उनके निधन के बाद से सिद्धि कुमारी यहां रहती हैं।

शादी के 27 दिन बाद ही युवती की मौत

पिता ने बेटी की मौत डेंगू से होना बताया, किसी तरह का शक जाहिर नहीं किया

बीकानेर, (निसं)। जिले के छत्तरगढ़ में रहने वाली एक नव विवाहिता की शादी के 27 दिन बाद ही मौत हो गई। युवती के पिता ने बेटी की मौत डेंगू से होना बताया है और किसी तरह का कोई शक जाहिर नहीं किया है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

बीकानेर के पाबू बारी क्षेत्र में रहने वाले गोपाल दास सोनी की बेटी पूजा सोनी की छत्तरगढ़ से बीकानेर लाते हुए रास्ते में मौत हो गई। पूजा की शादी महज 27 दिन पहले ही छत्तरगढ़ के चुन्नीलाल सोनी के साथ हुई थी। शादी के बाद ही वो बीमार हो गई। डॉक्टर ने डेंगू बताया तो उसे इलाज के लिए बीकानेर लाने का निर्णय किया गया। छत्तरगढ़ से बीकानेर आते समय रास्ते में पूजा ने दम तोड़ दिया। उसका शव छत्तरगढ़ के सरकारी अस्पताल में रखा गया। जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। शादी के महज 27 दिन बाद ही मौत होने के कारण पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाया है। पिता गोपाल दास सोनी ने पुलिस को दी मर्ग में लिखा है कि बेटी की मौत डेंगू से हुई है और किसी तरह का कोई शक नहीं है।

बाइक चोर गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। पुलिस ने मोटर साइकिल चोरी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। ये युवक बांद्रा बास क्षेत्र का रहने वाला है और इससे कुछ और चोरियों के राज खुलने की उम्मीद की जा रही है। सदर थाना प्रभारी दिगपाल सिंह ने बताया कि मोनू पुत्र फारुख को गिरफ्तार किया गया है। महज 24 साल के इस युवक ने विजय शॉपिंग मॉल के अंडरग्राउंड में खड़ी मोटरसाइकिल चोरी कर ली थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छानबीन करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अब उससे शहर में चोरी हुई अन्य मोटर साइकिल के बारे में भी पूछताछ की जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि उससे कुछ और चोरियों का राज खुल सकता है। इस मामले में सदर थाने के हेड कानिस्टेबल संदीप कुमार ने छानबीन कर मोनू को गिरफ्तार किया है। वहीं कोतवाली थानाधिकारी रामगोपाल की भी विशेष भूमिका रही।

एम्बुलेंस में महिला का सुरक्षित प्रसव कराया

निवाई/गुंसी, (निसं)। गुरुवार की रात्रि में निवाई आते समय 108 एम्बुलेंस कर्मियों ने एम्बुलेंस में ही एक महिला का सुरक्षित प्रसव कराया। दत्तवास निवासी 22 वर्षीय राधा देवी को गुरुवार की रात करीब आठ बजे प्रसव पीड़ा शुरू होने पर पायलट देवराज गुर्जर व ईएमटी गुलबाज अहमद नकवी ने तत्काल मदद पहुंचाई। गांव से निवाई अस्पताल जाते समय प्रसव पीड़ा बढ़ने पर उन्होंने रास्ते में ही एंबुलेंस रोक दी और साहस दिखाते हुए सुरक्षित प्रसव कराया। रात 8:15 बजे राधा देवी ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। मां और बेटी दोनों स्वस्थ हैं, जिन्हें बाद में उपजिला अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया गया। स्थानीय लोगों ने दोनों कर्मियों की संवेदनशीलता और तत्परता की जमकर सराहना की।

- राधा देवी ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया

एम्बुलेंस में सुरक्षित प्रसूता व परिजन।

एमबीबीएस छात्रा ने फांसी लगा आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में एमबीबीएस थर्ड ईयर की छात्रा ने घर में फांसी का फंदा लगाकर सुसाईड कर लिया। नयापुरा थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि आकाशवाणी निवासी प्राची मीणा (21) जो मेडिकल कॉलेज की थर्ड ईयर की छात्रा थी।

थानाधिकारी ने बताया कि प्रथमदृष्टया से परिजनों से पूछने पर मामले में सामने आया कि प्राची की परीक्षाएं चल रही थी और एक पेपर बिगड़ने के बाद डिप्रेशन में थी, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया है। थानाधिकारी ने बताया कि घटना के समय प्राची की बड़ी बहन घर में थी जब उसने प्राची को फंदे पर लटका देखा तो उसे नीचे उतारकर अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद छात्रा को मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता झालावाड़ आकाशवाणी में कार्यरत हैं। सूचना पाकर मृतक के पिता भी कोटा पहुंचे। मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान किया जा रहा है।

प्रॉपर्टी डीलर पर हमले के मामले में 11वां आरोपी भी गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। गत दिनों कोटड़ा क्षेत्र में जमीन विवाद के चलते प्रॉपर्टी डीलर मनोज नानकानी पर हुए जानलेवा हमले के मामले में शुक्रवार को पुलिस ने फरार चल रहे 11वें आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान बोराज निवासी राहुल जोशी उर्फ आरजे के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाने के एएसआई राम सिंह ने बताया कि प्रोपर्टी कारोबारी मनोज नानकानी पर जानलेवा हमला किया गया था, जिसके चलते उसे गंभीर चोटें आई थीं और इलाज के दौरान उनका एक पैर भी काटना पड़ा था। हमले के बाद पीड़ित की पत्नी ने थाने में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले में अब तक मुख्य आरोपी सहित 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच के दौरान फरार चल रहे राहुल जोशी को दबिश देकर गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस ने कहा कि इस मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच जारी है।

जमीन विवाद के चलते प्रॉपर्टी डीलर पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

सामाजिक कुरीतियों को लेकर चर्चा

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। ग्राम ककराना, दीपपुरा और ढाणी भैयावाली (गढ़ला) के तीनों गांवों से गुर्जर समाज के लोगों ने सामाजिक कुरीतियों को लेकर रतनजीवाली कोठी में समाज की मिटिंग पूर्व सरपंच प्रभातीलाल दौराता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें गुर्जर समाज द्वारा निर्धारित 11 बिंदुओं पर चर्चा की गई और इनको सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। मिटिंग को ख्यालीराम गठिला, शीशराम पूर्व सरपंच, उमराव, मास्टर सागरमल, धर्मपाल गढ़ला कलां, मातादीन कोली आदि ने संबोधित किया एवं विकास पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष, मास्टर ओमप्रकाश खटाना आदि मौजूद थे।

शराब के लिए रूपए नहीं दिए तो मां पर किया हमला

बुजुर्ग मां गंभीर रूप से जख्मी, अस्पताल में भर्ती कराया

अजमेर, (निसं)। अलवरगेट थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। मां से शराब के रूपए मांगने पर नहीं देने पर बेटे ने अपनी 78 वर्षीय बुजुर्ग मां पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। बुजुर्ग महिला को परिजन ने जवाहर लाल नेहरू अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनके गाल पर 15 टांके लगाने के बाद भर्ती कर लिया।

- गाल पर 15 टांके लगाने के बाद भर्ती कर लिया

धोलाभाटा इंदिरा कॉलोनी निवासी ओमवती देवी पर उनके बड़े बेटे विनोद ने हमला किया। परिजन ने बताया कि जब उन्होंने शराब के लिए पैसे देने से मना किया तो विनोद ने गुस्से में धारदार हथियार से वार कर दिया। हमले में ओमवती के चेहरे पर गहरी चोट आई। घटना के बाद परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां उनका उपचार जारी है। पीड़िता की ओर से थाने में लिखित शिकायत पेश की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आरपीएससी सचिव बनकर फर्जी पोस्ट डालने पर एफआईआर दर्ज

आयोग सचिव ने सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज कराया, जांच शुरू

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग सचिव के पदनाम से सोशल मीडिया पर एक फर्जी पोस्ट डालने और आयोग की ख्याति को हानि पहुंचाने का प्रयास करने के संबंध में सिविल लाइंस पुलिस थाना, अजमेर में आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने अज्ञात व्यक्ति/व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

आयोग सचिव ने अपनी शिकायत में स्पष्ट किया है कि आयोग द्वारा 15 अक्टूबर 2025 को आरएएस परीक्षा 2023 का अंतिम परिणाम जारी कर आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया था। इसके पश्चात, 16 अक्टूबर 2025 को सोशल मीडिया पर किसी समाज कंटक द्वारा एक जाली पोस्ट डाली गई, जिसे आयोग सचिव के अधिकृत हस्ताक्षर से जारी किया जाना दर्शाया गया। आयोग सचिव के हवाले से जारी यह पोस्ट पूर्णतया फर्जी है और इस प्रकार का कोई भी दस्तावेज़ या रिकॉर्ड आयोग द्वारा जारी नहीं किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि फर्जी पोस्ट डालने वाले व्यक्ति ने न केवल फर्जी रिकॉर्ड बनाया है, बल्कि ऐसा करके उसने सामाजिक सौहार्द पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है और लोक शांति में जानबूझकर विघ्न डालने का प्रयास किया है। इसके अलावा इस फर्जी पोस्ट ने आयोग और सचिव पद की प्रतिष्ठा एवं ख्याति को भी अपूरणीय क्षति पहुंचाई है।

विद्यालयों में दीपोत्सव मनाया

खिरोड़, (निसं)। टोंक छिलरी ग्राम पंचायत के राजकीय विद्यालयों में दीपोत्सव मनाया गया।

जानकारी के अनुसार पीईईओ संजू नेहरा ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोंक छिलरी व भोजनगर, उच्च प्राथमिक विद्यालय चिपरूड़ी जोहड़ी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय नया जोहड़ व डालाना जोहड़ के भवन एवं चारदीवारी पर शिक्षा विभाग के निर्देशों की पालना करते हुए रंग रोगन करवाया गया व उसके बाद पांच दिवसीय दीपोत्सव मनाते हुए लाइट व दीपों से सजाया गया। शिक्षा के ये मंदिर शिक्षा की ज्योत जलाने के साथ साथ बालकों में हिंदुस्तानी साहित्य व संस्कृति का भाव जागृत करने के लिए समय समय पर नवाचार करते रहते हैं।

ट्रेन से संदिग्ध हालत में महिला लापता

अजमेर, (निसं)। जीआरपी थाना क्षेत्र में ट्रेन यात्रा के दौरान एक महिला के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने अजमेर और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। महिला की सास की रिपोर्ट पर जीआरपी ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जीआरपी पुलिस के अनुसार गुजरात अरावली निवासी धन्नी बेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बेटा रोहित, बहू रश्मि, बेटा आरव और जितेंद्र की पत्नी धर्मिष्ठा 20 अक्टूबर को अजमेर रेलवे स्टेशन से सामलाजी रोड जाने के लिए जयपुर-आसरवा ट्रेन में सवार हुए थे। रात 11:45 बजे ट्रेन रवाना हुई। सफर शुरू होते ही परिवार सो गया। रात करीब एक बजे धर्मिष्ठा ने देखा कि रश्मि अपनी सीट पर नहीं है। तब तक ट्रेन भीलवाड़ा पार कर चुकी थी। पास बैठे यात्रियों ने बताया कि रश्मि को नसीराबाद रेलवे स्टेशन पर उतरते देखा गया था। परिजन अजमेर लौटे और आसपास के क्षेत्रों में तलाश किया, लेकिन रश्मि का कोई सुराग नहीं मिला। जीआरपी थाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महेंद्र गुर्जर को भारतीय कुश्ती टीम की कमान

उदयपुरवाटी, (निसं)। महेंद्र गुर्जर को बहरीन में 22 से 31 अक्टूबर तक तक हो रहे यूथ एशियन गेम्स 2025 में भारत की कुश्ती टीम का कोच नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति भारतीय कुश्ती संघ के द्वारा की गई है। महेंद्र गुर्जर पूर्व में जुलाई 2025 में किर्गिस्तान में हुई अंडर 20 कुश्ती प्रतियोगिता में भारतीय टीम की कमान संभाल चुके हैं। भगेगा निवासी महेंद्र वर्तमान में आरपीएफ में सब इंस्पेक्टर के पद पर भोपाल तैनात हैं तथा खुद भी अंतरराष्ट्रीय पहलवान रह चुके हैं एवं रेलवे में कुश्ती कोच है।

हनीट्रैप में फंसाकर डॉक्टर का अपहरण, आरोपी गिरफ्तार

महिला के साथ अश्लील वीडियो बनाए, 30 लाख की फिरौती मांगी, चलती गाड़ी से फेंक गए

अलवर, (निसं)। अलवर में एक फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर को आरटीओ ऑफिस के पास बुलाकर एक महिला और दो पुरुषों ने अपहरण कर लिया। आरोपियों ने डॉक्टर के कपड़े फाड़े, मारपीट की और 30 लाख रुपए की फिरौती की मांग की। साथ ही, आरोपियों ने डॉक्टर के साथ आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की। डॉक्टर को लगभग 3-4 घंटे तक बंधक बनाकर अलग जगह ले जाया गया और रास्ते में गाड़ी से धक्का भी दिया गया।

पीड़ित डॉक्टर करनी सहाय ने बताया कि उनके हाथ, कोहनी और कमर में चोटें आईं, जिनके निशान अभी तक नहीं गए हैं। उन्होंने तुरंत शिवाजी पार्क थाना थानेदार विनोद सामरिया को कॉल किया। पुलिस मौके पर पहुंची और डॉक्टर को डॉक्टर को वापस ला कर आरोपियों का पीछा किया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में शामिल वसीम खान उर्फ मूसा, प्रियांशु चौधरी उर्फ गोंधू, शरुना (महिला) है।

डॉक्टर करनी सहाय, फिजियोथेरेपिस्ट ने बताया कि 22 अक्टूबर को शाम 5-30 बजे उन्हें मोबाइल पर एक महिला का फोन आया। महिला ने कहा कि उन्हें आरटीओ ऑफिस के पास मिलना है। डॉक्टर वहां गए। महिला और दो पुरुषों ने उन्हें अपने घर ले जाकर कपड़े फाड़ दिए और मारपीट की। उन्होंने 30 लाख रुपए की फिरौती मांगी और आपत्तिजनक फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह पहले से सक्रिय था और कई अपराध कर चुका है। गिरफ्तारी से पहले एक आरोपी ने पहचान छिपाने के लिए अपना सिर गंजा करवा लिया था। पुलिस ने कहा कि आरोपियों से पूछताछ और साक्ष्य जुटाने का काम जारी है और घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

डेंगू से महिला की मौत : श्रीगंगानगर शहर में डेंगू से मौत का पहला मामला सामने आया है। पुरानी आबादी में लीला चौक के समीप रहने वाली 55 वर्षीय महिला की बठिंडा के एक निजी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महिला को तबीयत बिगड़ने के कारण तीन अक्टूबर को श्रीगंगानगर के प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था। प्लेटलेट्स कम होने के कारण उन्हें पहले श्रीगंगानगर के एक अन्य मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल ले जाया गया। इसके बाद बठिंडा स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया।

युवक की मौत

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में गुरूवार देर रात्रि को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार घर में शादी का माहौल चल रहा था, दो नवम्बर को मृतक युवक की बहन की शादी होने वाली थी और शुक्रवार को घर में लग्न कार्यक्रम था जिसकी तैयारी में परिवार के सदस्य लगे हुए थे।

युवक गुरूवार देर रात्रि को दुपहिया वाहन से भाई के फ्लैट से निकला और देबली अरब रोड़ पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने दुपहिया वाहन को टक्कर मार दी, हादसे में युवक की मौत हो गई घर में खुशी का माहौल मातम में बदल गया। बोरखेड़ा थाने के एएसआई सुरेश कुमार ने बताया कि दोस्तपुरा निवासी लव सिंह जो गुरूवार देर रात्रि को मुकंदरा प्राईम में रहने वाले अपने भाई के घर से स्कूटी से दोस्तपुरा के लिये निकला था, राड़ी के बालाजी के समीप अज्ञात वाहन ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। एएसआई ने बताया कि युवक को उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। एएसआई ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

आपसी रंजिश में बदमाशों ने चार युवकों को पीटा

कैंपर गाड़ी में भी तोड़फोड़ की, वीडियो वायरल, पुलिस ने पांच आरोपियों को डिटेन किया

जोधपुर, (कासं)। कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश को लेकर कुछ बदमाशों ने चार युवकों को घेर कर लाठी-डंडों से पीटा और उसकी कैंपर में तोड़फोड़ कर उसे पलट दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को डिटेन भी कर लिया है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार रात को कुड़ी थाना क्षेत्र में आरोपियों ने एक बोलेरो कैंपर गाड़ी में तोड़फोड़ की और गाड़ी सवार लोगों के साथ मारपीट की। घटना का वीडियो अब सामने आया है। बलानी नगर गुडा विश्नोइयां निवासी विक्रम बिश्नोई ने कुड़ी भगतासनी थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि वह अपने भाई मेकाराम, अकरम व रमेश के साथ घर जा रहे थे। तभी सेक्टर एक के पास में आरोपियों ने उन्हें रोककर मारपीट की। रिपोर्ट में विक्रम ने बताया कि हर्ष वैष्णव, राजू गुजराती, निखिल, पीयूष, मोंटी, रवि और 10-12 अन्य लोगों ने उन पर हमला किया और बोलेरो कैंपर को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। इस हमले में अकरम को चोट आई, जिसे प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं, वीडियो में आरोपी युवक को पीटते हुए और गाड़ी पर डंडा बरसाते हुए नजर आ रहे हैं। इसके बाद बदमाशों ने गाड़ी को पलट दिया। मामले को लेकर कुड़ी भगतासनी थानाधिकारी हमीर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को डिटेन किया है। इनमें आरोपी सेक्टर एक विवेक विहार निवासी मोंटू, सेक्टर तीन निवासी विशाल बोहरा व निखिल वाल्मीकि, सेक्टर पांच निवासी पीयूष राव व रोहित मेघवाल शामिल हैं।

भरतपुर की सेवर सेंट्रल जेल में हार्ट अटैक से कैदी की मौत

हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था कैदी

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सेवर सेंट्रल जेल में एक कैदी की मौत हो गई। यह कैदी एक मर्डर केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। जेल अधीक्षक का कहना है कि इस कैदी की मौत हार्ट अटैक आने के कारण हुई है।

जेल अधीक्षक परमजीत सिंह सिंधु ने बताया कि गुरुवार देर शाम नरेश सिंघल नाम के कैदी की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। वह मर्डर के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। उसके शव को गुरुवार देर शाम ही आरबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया गया था। शुक्रवार को शव के पोस्टमॉर्टम की कार्यवाही मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में हुई। मृतक के परिजन भी आरबीएम हॉस्पिटल पहुंचे। मेडिकल बोर्ड से सेवर थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्यवाही कराई गई। बाद में शव परिजनों को सौंप दिया गया।

शव के पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में हुई।

जानकारी के अनुसार भरतपुर के बहुचर्चित संजय बिहारी हत्याकांड में नरेश सिंघल को कोर्ट ने दोषी ठहराया था। कोर्ट ने नरेश सिंघल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। ढाई साल से ज्यादा पुराना यह मामला था। 28 जनवरी 2023 को कृष्ण कुमार उर्फ बेबी और नरेश सिंघल ने संजय बिहारी नाम के व्यक्ति को फोन कर अपने घर बुलाया था। जब संजय उनके घर पहुंचा तो वहां नरेश सिंघल, कृष्ण

- भरतपुर के बहुचर्चित संजय बिहारी हत्याकांड में नरेश सिंघल को कोर्ट ने दोषी ठहराया था

कुमार और बिट्टू चाय पी रहे थे। संजय भी उनके पास जाकर बैठ गया। तभी अचानक कृष्ण कुमार वहां से उठकर अपने कमरे में गया और कट्टा लाकर संजय बिहारी को पीछे से गोली मार दी। इलाज के दौरान संजय बिहारी की मौत हो गई। 19 सितंबर 2025 को जिला एवं सेशन न्यायाधीश केशव कौशिक ने फैसला सुनाते हुए कृष्ण कुमार उर्फ बेबी पर 60 हजार रुपए जुर्माना और आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। वहीं नरेश सिंघल पर 50-50 का अर्थदंड और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

नाबालिग से गैंगरेप

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट के जिला पूर्व में एक नाबालिग के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। बदमाशों ने नाबालिग के अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। जब पूरे मामले का पता पीड़िता के पिता को चला तो पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। फिलहाल

- मामले का पता पीड़िता के पिता को चला तो थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है

पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पीड़िता के पिता के मुताबिक घटना 20 जुलाई से 20 अक्टूबर के बीच की है। आरोप है कि कुछ युवकों ने उनकी नाबालिग बेटी के साथ गैंगरेप किया और उसका वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर लगातार शोषण करते रहे। पिता ने पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी मानसिक दबाव में थी और डर के कारण परिवार को यह बात नहीं बता पाई। जब घटना का पता चला तो परिवार ने पुलिस थाने पहुंचकर रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया कि आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बार-बार पीड़िता को परेशान और प्रताड़ित करते रहे। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सोनम वांगचुक से जुड़ा मामला नए मोड़ पर पहुंचा

जोधपुर, (कासं)। लेह-लद्दाख हिंसा मामले में गिरफ्तार समाजसेवी और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से जुड़ा मामला अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार किए गए वांगचुक इस समय जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं, जहां इस मामले की जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय न्यायिक आयोग ने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आयोग ने शुक्रवार को जेल परिसर में सुनवाई की और सोनम वांगचुक के बयान दर्ज किए। बताया जा रहा है कि आयोग जल्द ही उनकी पत्नी के भी बयान दर्ज करेगा, जिन्होंने हाल ही में वांगचुक मामले को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इस जांच की अध्यक्षता जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और लेह-लद्दाख सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष एम.के. हंजूरा कर रहे हैं। उनके साथ लेह जिला न्यायाधीश मनोज परिहार और कारगिल जिला न्यायाधीश स्पल जयेश अंगमों भी जांच प्रक्रिया में शामिल हैं। तीनों न्यायाधीश गुरुवार को जोधपुर पहुंचे और जेल प्रशासन के साथ सुरक्षा एवं प्रक्रिया संबंधी तैयारियों का जायजा लिया।

- जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय न्यायिक आयोग ने कार्रवाई शुरू की, बयान दर्ज
- राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार वांगचुक इस समय जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं

जोधपुर सेंट्रल जेल और पुलिस विभाग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं, ताकि जांच कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। आयोग की यह जांच कार्रवाई संवेदनशील मानी जा रही है, क्योंकि यह लेह-लद्दाख हिंसा की पृष्ठभूमि और सोनम वांगचुक की भूमिका पर कई अहम खुलासे कर सकती है। गौरतलब है कि वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद से ही लद्दाख और देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिनमें कई राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने उनकी रिहाई की मांग की थी।

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.
पताः मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी (आपकी सेवा में सदैव तत्पर)
Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com
क्रमांक : न.पा.सा./2025/3284-3286 दिनांक 14.10.2025
-:: Notice Inviting Bid ::-
Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.
UBN NO :- DLB2526WSOB22076
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सादड़ी
राज.संवाद/सी/25/12568

सतीश पूनियां को जन्मदिन की बधाई देने प्रदेश व हरियाणा से मंत्री और विधायक पहुंचे

भरतपुर में सतीश पूनियां को जनप्रतिनिधियों ने माला और साफा पहनाकर जन्मदिन की बधाई दी।

भरतपुर, (निसं)। भाजपा के राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने ब्रज क्षेत्र के आराध्यदेव गिरिराजजी महाराज की शरण में गोवर्धन में अपना 61वां जन्मदिन मनाया। इस दौरान पूनियां को राजस्थान और हरियाणा के भारी संख्या में बीजेपी नेता, मंत्री और विधायक बधाई देने के लिए पहुंचे।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह सतीश पूनियां ने अपने परिवार के साथ श्रीनाथजी और मुकुट मुखार बिंद पर अभिषेक किया। सैकड़ों की संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता और लोग उन्हें बधाई देने के लिए पहुंचे। इस दौरान पूनियां ने कहा कि यह न तो आमसभा है और न

- सतीश पूनियां ने गिरिराजजी महाराज की शरण में गोवर्धन में 61वां जन्मदिन मनाया

ही यह शक्ति प्रदर्शन है, यह तो भक्ति प्रदर्शन है। श्री नाथजी के मंदिर के सामने बने प्रांगण में सतीश पूनियां के जन्मदिन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने संबोधित किया। पूनियां को बधाई देने के लिए हरियाणा और राजस्थान से कई बीजेपी नेता, कार्यकर्ता पहुंचे। सभी ने सतीश पूनियां के साफा बांधकर और उपहार देकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। सतीश पूनियां ने कहा कि जब मैं बीजेपी युवा मोर्चा से जुड़ा था तब मैं गोवर्धन की परिक्रमा लगाने के लिए आया था। उस समय मेरे पैरों में छाले हो गए थे। तब मैंने संकल्प लिया था कि मैं गोवर्धन की परिक्रमा लगाऊंगा। इसलिए गोवर्धन में गिरिराज भगवान की परिक्रमा भी लगाई। भरतपुर को महाराजा सूरजमल के नाम से जाना जाता है। अपने जन्मदिन के मौके पर सतीश पूनियां ने सपरिवार अपना घर आश्रम में आवासरत प्रभुजनों को भोजन प्रसादी भी खिलाई।

रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने तनोट व लोंगेवाला के फॉरवर्ड इलाकों का दौरा किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने शुक्रवार को राजस्थान के तनोट और लोंगेवाला के फॉरवर्ड इलाकों का दौरा किया और सैनिकों से बातचीत की। उन्होंने एक ज़बरदस्त "कैपेबिलिटी डेमोंस्ट्रेशन

- ऑपरेशन सिंदूर भारत की मिलिट्री ताकत और नेशनल कैरेक्टर का एक उदाहरण है : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

एक्सरसाइज" देखी, जिसमें भैरव बटालियन और अश्नी प्लाटून जैसे नए संगठनों के इंटीग्रेटेड इस्तेमाल के साथ-साथ ऑपरेशन के लिए भारतीय सेना में शामिल की गई लेटेस्ट टेक्नोलॉजी को दिखाया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की मिलिट्री ताकत और नेशनल कैरेक्टर का एक उदाहरण है और सैनिकों को यह दिखाना है कि उनकी ताकत सिर्फ़ हथियारों में नहीं, बल्कि उनके नैतिक अनुशासन और स्ट्रेटेजिक क्लैरिटी में भी है। यह इतिहास में सिर्फ़ एक मिलिट्री ऑपरेशन के तौर पर ही नहीं, बल्कि देश के साहस और संयम की निशानी के तौर पर भी याद किया जाएगा। आतंकवादियों के खिलाफ़ हमारी सेनाओं ने जो कार्रवाई की, वह पॉलिसी की सटीकता और इंसानी गरिमा, दोनों के हिसाब से थी। ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। शांति के लिए हमारा मिशन तब तक जारी रहेगा जब तक एक भी

रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने प्रतिष्ठित लोंगेवाला युद्ध स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की

आतंकवादी सोच ज़िंदा है। उससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने प्रतिष्ठित लोंगेवाला युद्ध स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की और भारतीय सेना के बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। रक्षा मंत्री ने मेजर (बाद में ब्रिगेडियर) कुलदीपसिंह चांदपुरी की स्मृति को समर्पित एक श्रव्य दृश्य कक्ष चांदपुरी हॉल का उद्घाटन किया, जिन्होंने 1971 में लोंगेवाला की लड़ाई के दौरान बहादुरी से रक्षा का नेतृत्व किया था। उन्होंने युद्ध में भाग लेने वाले दिग्गजों को भी सम्मानित किया।

कार्यालय नगर पालिका मावली, जिला उदयपुर (राज.)
Phone: 02955294135 Email : nagarpalikamavli@gmail.com
क्रमांक :- न.पा.मा./निर्माण/2025-26/152 दिनांक :- 15.10.2025
ऑन लाईन निविदा सूचना नं. 4/2025-26
नगरपालिका मावली द्वारा कुल 19 कार्यो हेतु नगर निकाय में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं अन्य विभागो में 'ए' एवं 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईड eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा शर्ते एवं निविदा प्रपत्र संवेदक sppp.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेगें। उक्त निविदा वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।
UBN Code : DLB2526WSOB21992, 21994, 21996, 22005, 22008, 22013, 21890, 21891, 21892, 22020, 21893, 21894, 21895, 21896, 21897, 21898, 22029, 22032 है।
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका, मावली
राज.संवाद/सी/25/12570

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
नर्मदा नहर परियोजना खण्ड प्रथम सांचौर
क्रमांक/लेखा/निविदा/2025-26/राजकाज दिनांक यथा ईहस्ताक्षर
अल्पकालिन ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यों के लिये अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में राज्य सरकार के संशोधित आदेशों के अनुसार नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से निविदा आमन्त्रित की जाती है निविदा में वर्णित 04 कार्य हेतु निविदा ऑनलाईन आमन्त्रित की जाती है। जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो या के.लो.नि.वि.ए डाक, दूरसंचार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारो / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमो / संगठनो के पास सूचिबद्ध ठेकेदार जो राजस्थान के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो, भी कार्य के लिए निविदा हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात पात्र है। निविदा प्रपत्र दिनांक 24.10.2025 प्रातः 09.30 बजे से दिनांक 30.10.2025 सांय 06.00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड किये जा सकेगें।
निविदा दिनांक 31.10.2025 को सांय 3 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। कार्यो की अनुमानित लागत, धरोहर राशि, प्रोसेसिंग फिस व कार्य पूर्ण करने की अवधि तथा अन्य शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखें।
NIB code:- WRD2526A0480
UBIN No- 1. WRD2526WSOB01313, 2. WRD2526WSOB01314
3. WRD2526WSOB01315, 4. WRD2526WSOB01316
अधिशाषी अभियन्ता
नर्मदा नहर परियोजना
खण्ड प्रथम सांचौर
DIPR/C/15634/2025

सरकारी महिला टीचर से ट्रेवल एजेंसी मालिक ने दुष्कर्म किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। सरकारी स्कूल की 38 साल की महिला टीचर से रेप का मामला सामने आया है। महिला टीचर ने ट्रेवल्स एंड कार्गो एजेंसी के मालिक के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कराया है। टीचर ने आरोप लगाया है कि दिल्ली आने-जाने की टिकट बुक करवाने के दौरान आरोपी से पहचान हुई। बातचीत बढ़ने पर ट्रेवल्स एजेंसी मालिक अक्सर उसके घर आने-जाने लगा। फरवरी 2025 को एक दिन आरोपी कोल्ड ड्रिंक और चिप्स लेकर मेरे घर आया। इस दौरान मेरा बेटा घर पर नहीं था। आरोपी ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिला रखा था। कोल्ड ड्रिंक पीते ही मैं बेहोश हो गई। आरोपी ने बेहोशी में मेरे साथ रेप किया। मामला रायसिंहनगर थाना इलाके का है। मामले की जांच एसएचओ कलावती चौधरी कर रही हैं।

महिला टीचर ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि मैं दिल्ली की रहने वाली हूं और श्रीगंगानगर के एक सरकारी स्कूल में टीचर हूं। मैं दिल्ली आने-जाने के लिए चंद्रा ट्रेवल्स एंड कार्गो एजेंसी मालिक राजेश शर्मा उर्फ राजा से टिकट बुक करवाती थी। इस दौरान हमारी पहचान हुई। एक बार राजेश शर्मा ने मुझे अपना विजिटिंग कार्ड देकर कहा कि यह मेरा विजिटिंग कार्ड है और किसी सामान या मदद की जरूरत हो तो कॉल कर सकती हूं। महिला ने रिपोर्ट में बताया कि एक दिन मेरे घर में गैस सिलेंडर खत्म हो गया तो मैंने राजेश को बताया। तब राजेश शर्मा गैस सिलेंडर लेकर घर आया। इसके बाद हम दोनों में बातचीत शुरू हो गई। फरवरी 2025 में आरोपी महिला के घर खाने-पीने का समान चिप्स व कोल्ड ड्रिंक लेकर आया और कहा कि यह बच्चों के लिए लाया हूं। उस समय मेरा बेटा दिल्ली गया हुआ था। इस पर मैंने कोल्ड ड्रिंक पी ली। महिला ने आरोप लगाया- आरोपी कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर लाया था। इसके कारण वह बेहोश हो गई। मिहिला ने बताया कि बेहोशी की हालत में राजेश शर्मा ने मेरे साथ रेप किया। जब होश आया तो मैंने विरोध किया। इस पर आरोपी ने डराया कि धमकाया और कहा कि अगर इसके बारे में किसी को बताएगी तो तुम्हारी ही बेइज्जती होगी। आरोपी ने कहा कि मैं तुमसे शादी कर लूंगा। इसके बाद आरोपी लगातार शादी का झांसा देकर रेप करता रहा। महिला ने आरोप लगाया कि 15 अक्टूबर को आरोपी घर आया और मेरे साथ मारपीट कर रेप किया। आरोपी ने धमकी दी कि मैं तुम्हें और तुम्हारे बेटे को जान से मरवा दूंगा। जब मैंने पुलिस को कॉल करने की कोशिश की तो मोबाइल छीन लिया। इसके बाद धमकी दी कि अगर यह बात किसी को बताई तो नौकरी नहीं करने दूंगा। मेरे भाई जज और आईजी है।

बदमाशों ने टेप से मुंह बांधकर बुजुर्ग की हत्या की

पेस्टिसाइड छिड़क कर अन्य परिजनों को बेहोश किया

बीकानेर, (निसं)। यहां देर रात टेप से मुंह बांधकर बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। वहीं पेस्टिसाइड छिड़क कर अन्य परिजनों को बेहोश कर दिया। यही नहीं, बदमाश बाड़े में बंधी 30 से ज्यादा भेड़-बकरियां चोरी कर ले गए। घटना छत्तरगढ़ थाना इलाके की है।

थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि शुक्रवार सुबह छत्तरगढ़ कस्बे में धान मंडी के सामने बाड़े में उमाराम (70) का शव चारपाई पर पड़ा मिला। भेड़-बकरियां चोरी करने आए बदमाशों ने टेप से बुजुर्ग का मुंह बंद कर दिया था, जिससे वह सांस नहीं ले सके और उनकी मौत हो गई। बुजुर्ग से कुछ ही दूरी पर परिवार के अन्य सदस्य सो रहे थे। उन्हें पेस्टिसाइड छिड़क कर बेहोश कर दिया था। सुबह करीब आठ बजे जब उनको होश आया तो उन्हें बुजुर्ग की मौत का पता चला।

पुलिस जांच में सामने आया कि बुजुर्ग का मुंह प्लास्टिक टेप से बांधा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि मुंह और नाक पर टेप लगाने के कारण दम घुटने से उनकी मौत हुई है। परिजनों ने बताया कि उमाराम रात में अपने पशुओं की रखवाली के लिए बाड़े के पास ही सो रहे थे। सुबह उनका शव बाड़े के सामने चारपाई पर पड़ा मिला। चोरों से संघर्ष करते हुए उनके साथ मारपीट भी हुई है या नहीं इस बारे में पता लगाया जा रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे थानाधिकारी अनिल कुमार ने फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया। आसपास के क्षेत्र में जांच की गई। बाद में डॉग स्क्वॉड भी मौके पर आई। पुलिस अब आसपास के तीन-चार किलोमीटर एरिया के सीसीटीवी

- बाड़े में बंधी 30 से ज्यादा भेड़-बकरियां चुरा ले गए
- सुबह करीब आठ बजे जब परिजनों को होश आया तो उन्हें बुजुर्ग की मौत का पता चला
- फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड भी मौके पर पहुंची

फुटेज खंगाल रही है। लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

पुलिस का कहना है कि पूरे मामले का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही होगा। घर के बिल्कुल पास में ही बाड़ा बना हुआ है। बाड़े में 40 जानवर बंधे हुए थे, जिनमें 25 बकरी और 15 भेड़ थी। घटना का पता उमाराम के पोते राम को शुक्रवार सुबह सबसे पहले चला। रोजाना वह सुबह करीब 6 से 6:30 बजे उठ जाता है, लेकिन आज सुबह वह 7:30 बजे के बाद में उठा। उसने सबसे पहले उठकर खाट पर दादा को मृत अवस्था में देखा। इसके बाद पास में सो रही दादी को उठाया। वहीं पास में उमाराम की बेटी और पोती भी सो रही थी। इन लोगों को भी बाद में उठाया गया। इन सभी लोगों की आंख सुबह 7:30 बजे से पहले नहीं खुली थी। इन सभी को लग रहा था कि कुछ स्प्रे करके इनको बेहोश किया गया था।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
नर्मदा नहर परियोजना खण्ड द्वितीय सांचौर
क्रमांक / लेखा/निविदा/2025-26/ राजकाज दिनांक यथा ईहस्ताक्षर
अल्पकालिन ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यों के लिये अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में राज्य सरकार के संशोधित आदेशों के अनुसार नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से निविदा आमन्त्रित की जाती है निविदा में वर्णित 16 कार्य हेतु निविदा ऑनलाईन आमन्त्रित की जाती है। जल संसाथन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो या के.लो.नि.वि.ए डाक, दूरसंचार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारो / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमो / संगठनो के पास सूचिबद्ध ठेकेदार जो राजस्थान के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो, भी कार्य के लिए निविदा हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात पात्र है। निविदा प्रपत्र दिनांक 24.10.2025 प्रातः 09.30 बजे से दिनांक 30.10.2025 सांय 06.00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड किये जा सकेगें।
निविदा दिनांक 31.10.2025 को सांय 3 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। कार्यों की अनुमानित लागत, थरोहर राशि, प्रोसेसिंग फिस व कार्य पूर्ण करने की अवधि तथा अन्य शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखें।
NIB code:- WRD2526A0481
UBIN No- WRD2526WSOB01317, WRD2526WSOB01318, WRD2526WSOB01319
WRD2526WSOB01320, WRD2526WSOB01321, WRD2526WSOB01322
WRD2526WSOB01323, WRD2526WSOB01324, WRD2526WSOB01325
WRD2526WSOB01326, WRD2526WSOB01327, WRD2526WSOB01328
WRD2526WSOB01329, WRD2526WSOB01330, WRD2526WSOB01331
WRD2526WSOB01332
अधिशाषी अभियन्ता
नर्मदा नहर परियोजना
खण्ड द्वितीय सांचौर
DIPR/C/15635/2025

मासूम से रेप के आरोपी को जल्द सजा दिलाने की पुलिस कर रही है तैयारी

केस ऑफिसर स्कीम में लिया जाएगा मामला, सात दिन में चालान पेश करने का प्रयास

जोधपुर, (कासं)। बिलाड़ा थाना क्षेत्र में अबोध मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए पुलिस ने तैयारी शुरू की है। सभी तरह के साक्ष्य एकत्रित करने के साथ ही सात दिन में आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश करने की तैयारी है। साथ ही जल्द सजा के लिए मामले को केस ऑफिसर स्कीम में लिया जाएगा।

जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राजेश मीणा ने बताया कि

- आरोपी को पाली से गिरफ्तार किया

आरोपी साजिद को पाली से गिरफ्तार किया गया है। इस दरिंदगी के लिए उसे जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए प्रयास शुरू किए गए हैं। उसके खिलाफ सभी तरह के साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। सात दिन के भीतर कोर्ट में उसके खिलाफ चालान पेश कर दिया जाएगा। केस ऑफिसर स्कीम में लेकर जांच व मॉनिटरिंग की जाएगी। कोर्ट में रोजाना सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट से आग्रह किया जाएगा। साथ ही कोर्ट में स्पेशल ऑफिसर भी लगाया जाएगा ताकि मामले की प्रतिदिन सुनवाई हो सके और जल्द ट्रायल पूरी करवाई जा सके। आरोपी को एक महीने या कम से कम समय में अधिक से अधिक सजा दिलाने के प्रयास किए जाएंगे।

जानकारी के अनुसार तीन साल की बालिका बुधवार सुबह घर के बाहर खेल रही थी। तभी आरोपी साजिद पुत्र अली मोहम्मद वहां आया। उसने बालिका को अकेले देखा तो नीयत खराब हो गई। वह उसे कुरकुरे व चॉकलेट दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया। वह बाइक पर उसे कस्बे के बाहर सुनसान जगह ले गया, जहां उसके साथ बलात्कार किया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन पीड़िता को सरकारी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उम्मेद अस्पताल रैफर किया गया। वारदात के बाद फरार आरोपी को पाली से पकड़ लिया गया।

BARMER LIGNITE MINING COMPANY LIMITED
Office No. 2&3, 7th Floor, Man Upasna Plaza, C-44, Sardar Patel Marg, C-Scheme, Jaipur-302001
TENDER No. :- BLMCL/MD/JPR/2025-26/051 Dated :- 24/10/2025
E- NOTICE INVITING TENDER
Electronic bids are invited for Preparation of Detailed Project Report (DPR) for Shifting and Relocation of Lignite Handling System of Kapurdi Lignite Mine of BLMCL, District – Barmer, Rajasthan through e-procurement portal of Government of Rajasthan.
The tender document with detailed conditions can be obtained through the web site **https://eproc.rajasthan.gov.in** and should only be submitted in electronic form through e-procurement portal. Manual offer bids for these tenders will not be accepted under any circumstances, otherwise than those required as per the tender document.

1.	Name of Work	Preparation of Detailed Project Report (DPR) for Shifting and Relocation of Lignite Handling System of Kapurdi Lignite Mine of BLMCL, District – Barmer, Rajasthan
2.	Time Period	03 months
3.	Cost of tender document	Rs.590/- (Rs. 500 plus 18% GST) Non - Refundable, payable in Demand Draft in favour of "Barmer Lignite Mining Company Limited" Jaipur
4.	Processing Fees	Rs 500/- payable by Demand Draft in favour of MD RISL, payable at Jaipur
5.	Earnest Money Deposit	Rs. 70, 000
6.	Date of Issue/Upload Tender	24.10.2025
7.	Date of Receipt of Tender	17.11.2025 upto 3:30 PM
8.	Date of Tender Opening	18.11.2025 at 3:00 PM
9.	Website	https://eproc.rajasthan.gov.in

The detailed tender document will also be available on the website of Rajasthan State Public Procurement Portal **www.sppp.rajasthan.gov.in** and also on the Company's website **www.blmcl.in.**
For submission of e-tender, bidders are requested to get themselves registered with **https://eproc.rajasthan.gov.in** website along with Class III Digital Signature Certificate (DSC) issued by authorized agency under IT Act 2003. Further clarifications/corrigendum in this regard, if any, will be uploaded only on Government of Rajasthan's portal / BLMCL's website.
Raj.Samwad/C/25/12553 AVP (Operations)

अनोखा उपहार में दी ये खास चीज

भरतपुर (निस) ट्रैफिक पुलिस और संस्थाओ द्वारा विशेष अभियान चलाकर हेलमेट जागरूकता का पाठ आमजन को पढ़ा जनता जनार्दन को जागरूक किया जाता है ऐसा ही एक जागरूकता का उदाहरण आज भैया दूज पर देखने को मिला जब भाई बहिन प्यार के प्रतीक पावन पर्व भैया दूज के मौके पर बहन ने भाई से लिया हेलमेट पहनने का अटूट वचन और शगुन उपहार में हेलमेट देकर सुरक्षा का भी संकल्प लिया। इस प्रकार बहिन ने एक अनोखी मिसाल आमजन के लिए पेश की गयी। इस अवसर पर बहिन गीता शर्मा ने कहा कि सरकार के हेलमेट जागरूकता अभियान से प्रेरित होकर भाई के ललाट पर तिलक के साथ उनके सिर पर हेलमेट पहनाने का विचार आया प्रत्येक बहिन को विशेष अवसरो को यादगार और आदर्श बनाने के लिए कुछ नया करना चाहिए नि:संदेह हेलमेट विशेष अवसर पर एक विशेष उपहार है बहिन से भाई शिक्षाविद और समाजसेवी पवन पाराशर ने विशेष उपहार हेलमेट पाकर कहा कि बहिन से सलामती का अनोखा उपहार पाकर बहुत अच्छा लगा बहिन ने मुझे और आमजन को यात्रा के दौरान हमेशा हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित भी किया है। यह अनूठा तोहफा दर्शाता है कि बहन अपने भाई की सड़क दुर्घटनाओं से उसकी सुरक्षा को लेकर भी फिक्रमंद है। त्यौहार मनाने का यह एक रचनात्मक और प्रेरक तरीका काबिलेतारीफ है और भाई दूज पर हेलमेट का तोहफा, सदियों पुरानी परंपरा को सुरक्षा और जागरूकता के एक नए संदेश के साथ जोड़ता है। इस अवसर अनूठी मिशाल के जिज्ञासा शर्मा, मोक्षिता शर्मा, कार्तिक शर्मा, पलक शर्मा, शिवांश पाराशर, कमलेश पाराशर आदि गवाह बने ।

पीलोदा पुलिस ने 24 घंटे में ही किया हत्या का खुलासा

■ मृतक के दोस्त ही निकले हत्यारे, 9 लाख के लेन देन को लेकर की हत्या

गंगापुर सिटी । पीलोदा पुलिस ने समीपवर्ती बिनेगा गांव के एक युवक की हत्या कर शव खेत में दफनाने एवं जल्दी गलाने के लिए ऊपर से नमक डालने के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियो को पकड़ने में सफलता पाई है। पुलिस ने गुरुवार सुबह आरोपियो की निशानदेई पर खुदाई कर शव को बाहर निकलवाया। पीलोदा थानाधिकारी मानसिंह बैरवा ने बताया कि गंगापुर सिटी के समीपवर्ती गांव बिनेगा निवासी बिनतोश मीणा (27) पुत्र ब्रजमोहन मीणा 17 अक्टूबर से घर से लापता था। परिजनों ने 20 अक्टूबर को पीलोदा थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

पीलोदा पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजौरा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पीलोदा थानाधिकारी मानसिंह और उनकी टीम ने संदिग्ध दिलखुश बैरवा, विक्रम बैरवा और लोकेश बैरवा से पूछताछ की। पूछताछ में सामने आया कि पैसे के लेन-देन को लेकर तीनों आरोपी बिनतोश को बागोर ले गए। वहां आरोपियों ने बिनतोश के साथ मारपीट की और उसकी हत्या कर दी। आरोपी मृतक बिनतोश को बागोर से डिबस्या के पास एक खेत में ले गए। वहां उन्होंने करीब 4 फीट गहरा गड्ढा खोदकर बिनतोश को दफना दिया। लाश को बदबू से बचाने और जल्दी गलाने के लिए उस पर नमक भी डाला गया था। सख्ती से पूछताछ करने पर तीनों आरोपियों ने बिनतोश की हत्या कर डिबस्या के पास खेत में दफनाने की बात कबूल की। पुलिस के मुताबिक मृतक बिनतोश और तीनों आरोपी आपस में दोस्त थे। आरोपियों ने मृतक से 9 लाख रुपए से अधिक की राशि उधार ले रखी थी। जब वे यह कर्ज चुकाने में असमर्थ हो गए, तो तीनों ने बिनतोश की हत्या की योजना बनाई और उसे फोन कर बुलाया और अपने साथ बागोर ले गए। पुलिस ने आरोपियों दिलखुश (25) पुत्र कालूराम बैरवा, विक्रम (28) पुत्र बाबूलाल बैरवा निवासी बिनेगा थाना पीलोदा और लोकेश पुत्र मुन्नालाल बैरवा निवासी बिनेगा, हाल मीना कॉलोनी लाटा हाउस के पीछे गंगापुर सिटी को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम में कॉन्स्टेबल राजेश एवं करतार सिंह ने विशेष सहयोग किया, जबकि टीम में सवाई माधोपुर थानाधिकारी हरलाल मीना, वजीरपुर थानाप्रभारी राजवीर सिंह, हेड कॉन्स्टेबल हेमंत, सहायक उपनिरीक्षक भाईराम, हेड कॉन्स्टेबल श्रीनिवास, रामराज, कॉन्स्टेबल मनकेश, हरिओम, मुरारी, रामदयाल, धर्मराज, मुकेश सहित पुलिस टीम सदस्य शामिल रहे। पीलोदा थाना क्षेत्र में दर्ज ब्लाइंड मर्डर मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया। कोर्ट ने तीनों आरोपियों को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। थानाधिकारी मानसिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दिलखुश पुत्र कालूराम बैरवा (25), विक्रम पुत्र बाबूलाल बैरवा (28) निवासी बिनेगा थाना पीलोदा और लोकेश पुत्र मुन्नालाल बैरवा (25) निवासी बिनेगा (हाल मीना कॉलोनी, लाटा हाउस के पीछे, गंगापुर सिटी) शामिल हैं। पुलिस अब आरोपियों से हत्या में प्रयुक्त हथियार और अन्य सामग्री बरामद करेगी। साथ ही, इस हत्या में शामिल अन्य लोगों का भी खुलासा किया जाएगा।

कवि सम्मेलन आज

भरतपुर (निस)। भरतपुर जिला अठावाल पेंशनर्स सेवा समिति का दीपावली मिलन समारोह एवं कवि सम्मेलन का कार्यक्रम शनिवार को दोपहर 2.30 बजे से होटल ओम कॉम्पलेक्स जघीना गेट पर आयोजित होगा जिसमें भरतपुर के प्रतिष्ठित कवि काव्य पाठ करेंगे। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष सतीश कुमार गुप्ता ने दी। कवि सम्मेलन में आने के लिए कवियों व गणमान्य लोगों को सूचना प्रेषित कर दी गई है। आयोजकों ने अपील की है कि तय समय पर सम्मेलन में पधारे।

हजारीपुरा में बेटियों के लिये बने पुस्तकालय

करौली । राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय हजारीपुरा में कार्यरत एवं इसी वर्ष राज्यस्तरीय श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक शान्तनु पाराशर ने हजारीपुरा गाँव में निवासरत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही सभी ग्रामीण बेटी-बेटों को गाँव में ही श्रेष्ठ तरीके से अध्ययन के लिये संकल्प लिया है कि वो अतिशीघ्र ही पुस्तकालय की व्यवस्था उन प्रतियोगी विद्यार्थियों के लिये करवायेंगे, इसके लिये वो हजारीपुरा गाँव के ही युवाओं और सज्जनशक्ति से आग्रह कर रहे हैं कि हमारे हजारीपुरा की इन बेटियों को प्रतिदिन करौली आने-जाने में लगभग 3 घण्टे व्यर्थ हो जाते हैं व अकेली लड़कियों को करौली जाने में असुरक्षा का भाव भी रहता है। शिक्षक शान्तनु पाराशर के हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी जब दीपावली के दिन सभी प्रतियोगियों से हजारीपुरा मिलने पहुँचने पर व उनकी प्रतियोगिताओं की तैयारी की स्थिति जानने पर पता चला कि उनकी सही तरीके से पढ़ाई नहीं हो पा रही है तो शिक्षक ने सभी के सामने संकल्प लिया कि अब इन बच्चों को और विशेष रूप से बेटियों को गाँव में ही शहर जैसे पुस्तकालय की व्यवस्था की जायेगी जिससे कि बेटियाँ अच्छे और सुरक्षित वातावरण में अपनी पढ़ाई करके अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें, सभी बेटियों और प्रतियोगियों सहित हजारीपुरा बासियों ने अत्यन्त प्रसन्नता व्यक्त की है।

बच्चों को दी स्वच्छता की सीख

भुसावर भरतपुर (निस)। कस्बा भुसावर के वार्ड संख्या 10 सहित गांव बल्लभगढ़ द्वितीय और विभिन्न गाँवों एवं वार्डों में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित नंद घर में शिशु संजीवनी के पैकेट का हलुआ बनाकर खिलाया गया। इस अवसर पर किशोर-किशोरियों एवं सतर्कता समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के हाथ साफ करवाए गए। इस कार्यक्रम में कलस्टर सुपरवाइजर मुकेश चंद एवं पिन्टू सैनी ने यह जानकारी दी।

समझाइस के बाद शव लेने को राजी हुए परिजन

करौली । मंडरायल मार्ग स्थित लवकुश वाटिका के सामने गुरुवार शाम हुई सड़क दुर्घटना के बाद मृतक माखनलाल माली के परिजन और माली समाज के लोगों ने शुक्रवार को करौली जिला अस्पताल परिसर में धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों ने आरोपी डंपर चालक की गिरफ्तारी और आर्थिक सहायता की मांग की।

सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम, करौली थानाधिकारी अध्यात्म गौतम मौके पर पहुंचे और परिजनों से बातचीत कर समझाइश की। प्रशासन द्वारा कार्रवाई और हर संभव सहायता के आश्वासन के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हो गए, जिसके बाद शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम ने बताया कि दुर्घटना में शामिल डंपर को जब्त कर लिया गया है और चालक की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

विशेष रेलगाडी आज होगी रवाना

भरतपुर (निस)। राजस्थान सरकार देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2025 के अन्तर्गत विशेष रेलगाडी भरतपुर से रामेश्वरम्-मदुरई वाया सोगारिया कोटा ट्रेन शनिवार 25 अक्टूबर को सायं 4 बजे भरतपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। आयुक्त देवस्थान विभाग कन्हैयालाल स्वामी ने बताया कि तीर्थ यात्रा योजना के तहत शनिवार 25 अक्टूबर को सायं 4 बजे भरतपुर रेलवे स्टेशन से करौली व डीग जिले के 500 एवं सोगारिया कोटा रेलवे स्टेशन से कोटा व बूंदी जिले के 470 कुल 970 यात्री यात्रा में शामिल होगें। उन्होंने बताया कि सभी यात्रियों को दोनों रेलवे स्टेशन पर पहुँचने हेतु सूचित किया जा चुका है, ताकि समस्त प्रक्रिया समय पर पूर्ण कर सकें। उन्होंने कहा कि करौली व डीग जिले के यात्रियो को भरतपुर रेलवे स्टेशन पर प्रातः 10 बजे एवं कोटा व बूंदी जिले के यात्रियों को सोगारिया कोटा रेलवे स्टेशन पर दोपहर 2.00 बजे से रिपोर्ट करना है। उन्होंने बताया कि यात्रा में सभी यात्रियों की देख-रेख हेतु ट्रेन प्रभारी, प्रत्येक कोच में 2 सरकारी कर्मचारियों को अनुदेशक एवं चिकित्सा व्यवस्था हेतु एक डॉक्टर व 2 नर्सिंग अधिकारी भी साथ रहेंगें जो यात्रा के दौरान यात्रियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखेगें।

उन्होंने बताया कि रेलगाडी हेतु वर्ष 2025-26 के जिलों के मुख्य चयनित तीर्थ यात्रियों को व्यक्तिश दूरभाष एवं संदेश के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। यात्री अपने साथ ऑनलाइन भरे गये आवेदन-पत्र की हार्ड कॉपी मय प्रमाणित चिकित्सीय प्रमाण-पत्र, मूल जनआधार, आधार कार्ड और दो पासपोर्ट साईज फोटो साथ लेकर आना अनिवार्य होगा और दैनिक उपयोग की सामग्री आवश्यक औषधियाँ, व्यक्तिगत आवश्यकता हेतु नकदी, कपडे लाने होगें।

ठाकुरजी को 56 भोग लगाए

करौली । जय मां गुमानों सेवा समिति के तत्वाधान में तांबे की टोली छत पांडा करौली में करनपुर वाली गुमानो माता विशाल भगवती जागरण एवं अन्नकूट प्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर को माता रानी का दरबार सजाया गया फूल बंगला, 56 भोग की झांकी सजाई गई विधि विधान से माता की पूजा अर्चना की एवं महा आरती की हजारों लोगों ने पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की जागरण में फरीदाबाद से आई लक्ष्मी किशोरी ने एक से एक भेंट प्रस्तुत की मेरी लाज बचाने आएगी, तेरे दरबार में खुशी मिलती है एवं श्री जी म्यूजिकल ग्रुप के अंकेश पाराशर ने एक से एक भेंट प्रस्तुत की प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, मेरा हाथ पकड लो मैया दुनिया में हमारा कोई नहीं भेंट प्रस्तुत की जिनको सुनकर भक्त खुशी के साथ नाचने लगे इस दौरान पंडित अशोक कुमार शास्त्री, गोविंद गुप्ता, धीरेंद्र पाराशर,शकुंतला देवी क्षमा शर्मा नेहा शर्मा आदि सैकड़ो भक्त उपस्थित थे।

पट्टे मिलने से लाभार्थियों के चेहरे खिले

डीग भरतपुर (निस)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार सेवा पर्व पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को डीग जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविरों में वर्षों से अपने पैतृक आवासों के मालिकाना हक के लिए प्रयासरत ग्रामीणों की समस्याओं का तत्काल निस्तारण करते हुए उन्हें मौके पर ही पट्टे जारी किए गए।

जिले के डीग, कामां और कुम्हेर उपखण्डों में आयोजित शिविरों में स्वामित्व योजना के अंतर्गत पट्टे जारी करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। डीग उपखण्ड की ग्राम पंचायत गढ़ी मेवात में आयोजित शिविर में लाभार्थी जिया उल हक पुत्र मजीद और हेतराम पुत्र गोविन्द को उनके पैतृक आवासों के पट्टे प्रदान किए गए। इसी प्रकार, कामां उपखण्ड की ग्राम पंचायत पल्ला में भगवान सिंह पुत्र सुक्की और लखन सिंह पुत्र मूलाराम को उनके पुश्तैनी मकानों के पट्टे सुपुर्द किए गए। ग्राम पंचायत कनवाड़ा में भी रामधन पुत्र हरकिशन एवं शिवराम पुत्र गिर्राज को शिविर के दौरान ही स्वामित्व योजना के पट्टे जारी किए गए। पट्टा प्राप्त कर लाभार्थियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। गढ़ी मेवात के लाभार्थी जिया उल हक ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से पट्टे के लिए प्रयासरत थे, लेकिन आज शिविर में अधिकारियों को अपनी पीड़ा बताने पर शिविर प्रभारी के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत ने उन्हें मौके पर ही पट्टा प्रदान कर दिया। उसने कहा कि अब मैं इस पट्टे के आधार पर बैंक से ऋण प्राप्त कर अपने बच्चों का अच्छे से पालन-पोषण कर सकूँगा इसी प्रकार कनवाड़ा के लाभार्थी शिवराम ने बताया कि मालिकाना हक का कोई भी दस्तावेज न होने के कारण उन्हें और उनके परिवार को कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन आज शिविर की बदौलत पट्टा मिलने से यह चिंता हमेशा के लिए दूर हो गई।

बॉयज क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

■ सवाई माधोपुर की 4 टीमें ले रही भाग, लीग पद्धति से खेलेंगी सभी मैच

गंगापुर सिटी 24 अक्टूबर। शुक्रवार को जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर की ओर से अंडर-14 बॉयज क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। यह प्रतियोगिता जयपुर रोड स्थित क्रिएटिव स्पोर्ट्स एकेडमी में शुरू हुई। उद्घाटन जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष मनोज बंसल ने किया। मनोज बंसल ने इस अवसर पर कहा कि यह प्रतियोगिता नवोदित खिलाड़ियों को प्रोत्साहन प्रदान करेगी और जिले में क्रिकेट को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरसी पैनल अंपायर मुजम्मिल हुसैन ने की। आरसी पैनल स्कोरर एडवोकेट लोकेश मीणा ने बताया कि प्रतियोगिता में सवाई माधोपुर जिले की चार टीमों ने हिस्सा लिया है। सभी मैच लीग पद्धति के आधार पर आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जिला क्रिकेट संघ द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ खिलाड़ी अरुण चौधरी और राजेंद्र महावर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए आयोजन समिति ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में इस प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साह देखा गया।

यातायात पुलिस जवान की मौत

करौली । शुक्रवार को करौली में ड्यूटी के दौरान यातायात पुलिस के हेड कांस्टेबल की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। हैड कांस्टेबल बलराम ड्यूटी के दौरान यातायात पुलिस वाहन इंटरसेप्टर के पास ही अचानक जमीन पर गिर पड़े। साथी जवानों ने तत्काल उन्हें यातायात पुलिस की गाड़ी से जिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया लेकिन बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना करौली कैलादेवी मार्ग स्थित चंदवा चौकी क्षेत्र की बताई जा रही है। जहां वह अन्य पुलिसकर्मियों के साथ वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान वो अचानक सड़क पर गिर पड़े। सूचना पर जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल सहित पुलिस अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और हालात की जानकारी ली।

पांचना बांध में नहाते समय दो चचेरे भाइयों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

■ प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नहाते समय पैर फिसलने से दोनों गहरे पानी में चले गए और बांध के पिछले क्षेत्र में डूब गए।

करौली । करौली जिला मुख्यालय के समीप स्थित पांचना बांध में शुक्रवार को प्रातः एक दर्दनाक हादसा हो गया। नहाने के दौरान युवक और बालक की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान हिण्डौन उपखंड के देदरोली गांव निवासी नीरज मीना पुत्र रमेशचंद मीना 18 और मोहित मीना पुत्र अर्जुन सिंह मीना 13 के रूप में हुई है। दोनों अपने जीजा कुलदीप मीना के साथ पांचना बांध नहाने आए थे।

उन्होंने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नहाते समय पैर फिसलने से दोनों गहरे पानी में चले गए और बांध के पिछले क्षेत्र में डूब गए। उनके साथ आए तीसरे युवक ने शोर मचाकर मदद की गुहार लगाई। सूचना पर सिविल डिफेंस टीम और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद दोनों को पानी से बाहर निकाला गया। इसके बाद उन्हें जिला चिकित्सालय करौली लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।हादसे की खबर मिलते ही अस्पताल में परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। सदर थानाधिकारी रामदीन शर्मा ने बताया कि नहाने के दौरान दोनों की डूबने से मौत हुई है। जानकारी के अनुसार, नीरज मीना नीट की तैयारी कर रहा था और पिता एक निजी विद्यालय में अध्यापन का कार्य करते हैं। वो एक भाई और दो बहनें हैं। वहीं, मोहित मीना दिल्ली में सातवीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा था।

उसके पिता दिल्ली में शिक्षक हैं और परिवार में दो बेटे थे। बताया जा रहा है कि दोनों आज दोपहर बाद अपने-अपने गंतव्य क्र नीरज जयपुर और मोहित दिल्ली लौटने वाले थे लेकिन उससे पहले ही यह हादसा हो गया। इस दर्दनाक घटना से देदरोली गांव में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

राजस्थान में हरित क्रांति के जनक थे भैरों सिंह शेखावत : राठौड़

सीकर(निसं)। भारत गणराज्य के 11 वें उपराष्ट्रपति, लोक लाडले, वीर धरा के गौरव, शेखावाटी के सपूत,भैरों सिंह शेखावत का 102 वां जयंती समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह में सीकर विकास मंच के अध्यक्ष पूर्व अतिरिक्त जिला कलेक्टर ईश्वर सिंह राठौड़ ने कहा कि स्वर्गीय शेखावत गरीब को गणेश मानकर शासन चलाते थे।आज जो राजस्थान में विद्युत तंत्र है वह हरित क्रांति स्वर्गीय शेखावत साहब की देन है। श्री शेखावत ने अंत्योदय, काम के बदले अनाज जैसी जनहितकारी योजनाएं चलाई। समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह जोधा ने कहा कि राजनीति में सुचिता का पर्याय श्री शेखावत थे,उनके किए गए कार्यों का सभी को अनुसरण करना चाहिए। सीकर व्यापार संघ के अध्यक्ष दयाल सिंह शेखावत ने बताया कि श्री शेखावत सादा जीवन, एवं सभी से अपनत्व से मिलते थे।राजनीति में सरलता उनके स्वभाव में रचि बसा था। महेश शर्मा ने बताया कि शेखावत के बताए रास्ते पर चलकर राजनीतिज्ञों को अपना जीवन समर्पित करना चाहिए। श्री गोपाल कृष्ण सिंह शेखावत व राजाराम योगाचार्य ने भजनों की शानदार प्रस्तुति दी।विनोद दाधीच ने कविता के माध्यम से श्री शेखावत के जीवन चरित्र को बताया। पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र मीणा ने स्वर्गीय शेखावत के साथ अपने सेवा काल के संस्मरण सभी को अवगत कराया। समारोह में महावीर पुरोहित, राजवीर सिंह शेखावत प्रभु सिंह सेवद, जितेंद्र कारंगा,बी एल रणवा, पवन मोदी, ओमप्रकाश कामदार, भंवरलाल जांगिड़, राधेश्याम पारीक, ज्योति तनवानी,वंदना राठौर उमा सैनी, सोनू सोनी, सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति, जगदीश चौकड़ीका, रतन लाल सैनी,मदन जांगिड़, पवन शर्मा प्रिंसिपल, विक्रम सिंह गुढा, मदन सोनी, बाबूलाल शर्मा, नरेंद्र कौशिक, विनोद नायक प्रियदर्शन कौशिक, सहित शहर के व्यापारी, अधिकारी, समाजसेवी, उपस्थित रहे। समारोह के संयोजक सुरेश अटावाला ने आभार व्यक्त कियासंचालन राजेंद्र शर्मा मधुकर ने किया।

सोमवार को माता के भक्त बसों से जायेंगे करणपुर

गंगापुर सिटी । मां गुमानो बीजासनी देवी सेवा समिति के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन सोमवार को करणपुर धाम स्थित मां गुमानो माताजी निवास में किया जायेगा। अध्यक्ष महेश शर्मा ने बताया कि 27 अक्टूबर 2025 कार्तिक सुदी छठ सोमवार को गंगापुर सिटी से करणपुर धाम के लिए मासिक बस यात्रा दोपहर 1;30बजे मां गुमानो बिजासनी के सानिध्य में थोक फल सब्जी मंडी उदेई मोड़ से प्रस्थान करेगी जो शाम 5 बजे करणपुर धाम पहुंचेगी।

बस यात्रा संयोजक दिनेश बंसल चूड़ी वाले ने माता रानी के सभी भक्तों सेयात्रा में ज्यादा से ज्यादा यात्री चल कर धर्म लाभ उठाने की अपील की है। सह संयोजक नरेंद्र शर्मा (पप्पू गुरु) ने बताया कि यात्रा में शामिल माता बहनों को जागरण के दौरान ड्रॉ सिस्टम से चुनरीओ की लॉटरी भी निकाली जाएगी।

भाजपा का दीपावली स्नेह मिलन समारोह रविवार को

■ भाजपा के विधानसभा कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियो को लेकर पदाधिकारियो की बैठक का आयोजन पूर्व विधायक एवं जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर के निवास पर आयोजित की गई।

गंगापुर सिटी । भाजपा के विधानसभा कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियो को लेकर पदाधिकारियो की बैठक का आयोजन पूर्व विधायक एवं जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर के निवास पर आयोजित की गई। बैठक में सम्मेलन 26 अक्टूबर रविवार को आयोजित करने का निर्णय लिया गया जिसमें दीपावली स्नेह मिलन और आत्मनिर्भर भारत अभियान पर चर्चा की जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर गंगापुर सिटी विधानसभा क्षेत्र के बजीरपुर, तलावड़ा, गंगापुर ग्रामीण और गंगापुर शहर मंडलों के लिए यह बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक के निवास पर हुई। इसमें समन्वय समिति के वरिष्ठ मंडल अध्यक्षों, महामंत्रियों और पदाधिकारियों ने भाग लिया। भाजपा जिला सह मीडिया प्रमुख धनेश शर्मा ने बताया कि जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की विशेष उपस्थिति में यह निर्णय लिया गया। सम्मेलन 26 अक्टूबर 2025, रविवार को दोपहर 11 बजे जयपुर बाईपास स्थित पार्थ रिसोर्ट में होगा। इसमें दीपावली स्नेह मिलन समारोह और प्रधानमंत्री द्वारा संचालित आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान पर संगठनात्मक स्तर पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में प्रदेश और जिले के पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रहेगी। चारों मंडलों के प्रबुद्धजनों, सामाजिक और व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। सम्मेलन के बाद सहभोज का आयोजन भी होगा। जिलाध्यक्ष गुर्जर ने प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों, जिला एवं मंडल पदाधिकारियों, शक्ति केंद्र संयोजकों, बूथ अध्यक्षों सहित सभी कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आह्वान किया है। तैयारी बैठक में रामसिंह खटाना, मंजू गुर्जर, रघुनाथ फौजी, विनोद अटल, दीपक सिंघल, उदय सिंह गुर्जर, जमनालाल वैष्णव, महेंद्र दीक्षित, हरकेश गुर्जर, ओमी कटारिया, दामोदर शुक्ला, विकास सैनी, शेख मोहम्मद, बत्तीलाल, अखेराम गुर्जर, रूपसिंह मीणा सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सार-समाचार

सेवा संस्थान के चुनाव 27 को

गंगापुर सिटी । मां कैला देवी सेवा संस्थान के चुनाव 27 अक्टूबर सोमवार को कराए जाएंगे। निर्वाचन अधिकारी आलोक गोयल एडवोकेट ने बताया कि 27 अक्टूबर शाम साढ़े 7 बजे संस्थान के सभी सदस्य एवं मतदाताओं की आमसभा पुरानी अनाज मंडी सीताराम मंदिर पर रखी गई है। चुनाव प्रक्रिया में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष पद के चुनाव कराए जाएंगे चुनाव में एक पद पर एक से अधिक नाम आने पर मतदान की आगामी तिथि की घोषणा की जावेगी। संस्थान महामंत्री रमेश चंद तिवारी ने बताया कि संस्थान सदस्यों की मतदाता सूची निर्वाचन अधिकारी कार्यालय कचहरी रोड पर चस्पा कर दी गई है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में संस्थान के सभी सदस्यों को आवश्यक रूप से शामिल होने का आव्हान किया है।

कबड्डी प्रतियोगि आज से

करौली(निसं.) 35वीं सब जूनियर और 51वीं जूनियर बालक बालिका वर्ग की जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन जिला कबड्डी संघ के तत्वाधान मे ढिंढोरा हिण्डौन मे 25 से 26 अक्टूबर तक किया जा रहा है। आयोजन सचिव अब्दुल जब्बार ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडियो की आयु सब जूनियर वर्ग में 16 वर्ष से कम एवं जूनियर वर्ग के 20 वर्ष से कम होनी चाहिए,वजन 60 किलो ग्राम और 75 किलो ग्राम से कम होना चाहिए सभी खिलाडी-अपने साथ मूल निवास, जन्म प्रमाण, बोर्ड कि अंकतालिका,आधार कार्ड, बैंक पास बुक्स की मूल कोपी के साथ फोटो कापी अवश्य साथ लावे साथ ही खिलाडियो को राजस्थान राज्य कबड्डी संघ कि वेबसाईट पर पंजीकरण कराना होगा पंजीकरण के अभाव में किसी भी खिलाडी को प्रतियोगिता में भाग लेने नहीं दिया आयेगा।

ग्रामीण सेवा शिविरों का आयोजन

करौली । अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमराज परिडवाल ने बताया कि ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन प्रत्येक सप्ताह के गुरुवार, शुक्रवार व शनिवार किया जा रहा है। 25 अक्टूबर आज शनिवार को पंचायत समिति करौली की ग्राम पंचायत खोहरी व राजौर, हिण्डौन की ग्राम पंचायत कैलाश नगर व सिकरौदा मीना, सपोटरा की ग्राम पंचायत अमरगढ व कालागुढ़ा, व टोडाभीम की ग्राम पंचायत निसूरा व लपावली में शिविर लगाये जाऐंगे।

रविवार को होने वाली पंचायत स्थगित

करौली । आदिवासी मीणा पंच पटेल महापंचायत के प्रदेश प्रवक्ता रूपसिंह गोरेहार ने बताया कि महापंचायत की कोर कमेटी के निर्णय अनुसार माह के अंतिम रविवार 26 अक्टूबर को समुदाय की मुख्य हथाई शांतवीर नगर स्थित मीणा धर्मशाला श्रीमहावीरजी में होने वाली न्यायिक पंचायत स्थगित कर दी गई है। पंचायत आयोजित करने की तिथि आगामी दिनों में घोषित कर दी जाएगी।

गंगापुर सिटी से भी जायेंगे श्रृद्धालु

गंगापुर सिटी । सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राज पिता रमित जी की पावन छत्रछाया में 78 वां वार्षिक निरंकारी संत समागम 31 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025 तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल समालखा (हरियाणा) में अद्भुत दिव्यता और भव्यता के साथ आयोजित होने जा रहा है। आत्मीयता के इस उत्सव में देश- विदेश से असंख्य श्रद्धालु भाग लेकर आनंद का अनुभव प्राप्त करेंगे। इसी क्रम में गंगापुर सिटी से भी श्रद्धालु भक्त जन समागम में सम्मिलित होंगे और सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

शिक्षक की सडक हादसे में मौत

बयाना भरतपुर (निस)। बयाना-हिंडौन स्टेट हाईवे पर सड़क हादसे में एक सरकारी स्कूल शिक्षक की मौत हो गई। हादसा बयाना सदर थाना क्षेत्र के धाधरैन गांव के पास हुआ, जहां अज्ञात वाहन ने शिक्षक को जोरदार टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान धाधरैन गांव निवासी 55 वर्षीय मकरम सिंह मीणा पुत्र भगवत मीना के रूप में हुई है। वे मदनपुर गांव के सरकारी विद्यालय में वरिष्ठ अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। सदर थाना प्रभारी कृष्णवीर सिंह ने बताया कि मकरम सिंह खेतों से घर लौट रहे थे, तभी तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल मकरम सिंह सड़क पर कुछ देर तक पड़े रहे। बाद में राहगीरों ने उन्हें देखकर पुलिस को सूचना दी। परिजन तुरंत उन्हें उपजिला अस्पताल बयाना लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल स्टाफ के अनुसार, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है और अज्ञात वाहन व उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जलभराव से किसान त्रस्त

भरतपुर (निस)। राहुल उवार ने उवार सोगर.उवार, डेहरा, सुरोता, अवार, हेलक, वावेन आसपास के कई गाँवों का खुद पानी में उतरकर गांव वालों के साथ निरीक्षण किया। राहुल उवार ने कहा कि आज खुद मेरे गाँव में शमशान तक जाने को रास्ता नहीं है। पूरा पानी से लबपथ है। लोगों को चोट लग रही है अर्थी तक को सुरक्षित मरेठा तक पहुंचना भी बहुत दुर्लभ हो रहा है उवार गाँव का रास्ता जो कि श्मशान के लिए तो जाता ही है उसके साथ-साथ स्कूल पानी जैसी और सुविधाओं को भी यह रास्ता जोड़ता है आए दिन दुर्घटना किसी को चोट लगना ये तो आम बात हो गई है राहुल उवार ने प्रशासन से निवेदन करते हुए कहा की अब तो बारिश भी बंद हो गई। अब तो प्रशासन हमारी ओर ध्यान दे और उस पानी का निराकरण करके गांव वालों को राहत दें। आप ऐसा जल्द से जल्द नहीं होता है तो एक बड़े पैमाने पर कलेक्टेड का घेराव करेंगे जिसका जिम्मेदार खुद स्वयं होगा। इस बीच लोकेन्द्र, भूपेन्द्र, बनना, धारा सिंह, अमित सोगर, हीरो, बाके आदि

वर्कशॉप में भाग लेंगे रोवर

भरतपुर (निस)। भरतपुर, 24 अक्टूबर। भारत स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वाधान में 25 से 29 अक्टूबर तक स्काउट गाइड केंद्र बेंगलुरु कर्नाटक में आयोजित राष्ट्रीय रोबोटिक एवं एआई वर्कशॉप में एमएसजे राजकीय महाविद्यालय के लखन लाल शर्मा तथा लोहागढ़ ओपन क्रू के धर्मवीर सैनी का भाग लेंगे। स्थानीय संघ सचिव भानु प्रताप सिंह के अनुसार राष्ट्रीय वर्कशॉप में स्काउटिंग मूल्यों में प्रौद्योगिकी, तकनीकी नवाचार, रचनात्मकता, बुद्धिमत्तता, एआई में उभरते करियर के बारे में जागरूकता बढ़ाने संबंधित विषयों पर विशेषज्ञ द्वारा प्रेरणास्पद जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्कशॉप के दौरान 19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी लखनऊ उत्तर प्रदेश में नवाचार की गतिविधियों को भी समाहित किया जाएगा। राष्ट्रीय वर्कशॉप में भाग लेने हेतु चयन पर सीओ स्काउट देवेंद्र कुमार मीणा, रोवर लीडर अनिल कुमार नागर, विवेक चौरसिया सहित पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया।

27 अक्टूबर से 6 नवम्बर 2025 तक आयोजित होंगे

सीकर, (निसं)। जिला रोजगार अधिकारी राकेश चौधरी ने बताया कि वीर फौजी सिक्योरिटी, जयपुर द्वारा सीकर जिले में सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजर के पदों पर भर्ती के लिए शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह भर्ती शिविर 27 अक्टूबर से 6 नवम्बर 2025 तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सायं 3.30 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 27 अक्टूबर को लक्ष्मणगढ़ पंचायत समिति, 28 अक्टूबर को धोद पंचायत समिति, 29 अक्टूबर को दांतारामगढ़ पंचायत समिति, 30 अक्टूबर को खंडेला पंचायत समिति, 31 अक्टूबर को नीमकाथाना पंचायत समिति, 3 नवम्बर को नेछवा एवं पिपराली पंचायत समितियों, 4 नवम्बर को पाटन एवं श्रीमाधोपुर पंचायत समितियों तथा 6 नवम्बर को फतेहपुर पंचायत समिति में भर्ती शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सुरक्षा जवान के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास तथा सुरक्षा सुपरवाइजर के लिए 12वीं (इंटरमीडिएट) पास होना आवश्यक है। सुरक्षा जवान के लिए न्यूनतम लंबाई 168 सेमी तथा सुरक्षा सुपरवाइजर के लिए 170 सेमी निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य होनी चाहिए तथा वजन 50 से 90 किलोग्राम के बीच होना चाहिए। अभ्यर्थी शारीरिक एवं मानसिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ हों यह आवश्यक है। भर्ती अधिकारी ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को भविष्य निधि (पी.एफ.), कर्मचारी राज्य बीमा (ई.एस.आई.), ग्रेच्युटी, पेंशन, मेडिकल इंश्योरेंस, बोनस सहित अन्य सुविधाएँ प्राप्त होंगी।इसके साथ ही चयनित कार्मिकों को 65 वर्ष की आयु तक स्थाई रोजगार की सुविधा भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी अपने समस्त मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्रों, पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं पासपोर्ट साइज फोटो सहित निर्धारित तिथियों पर संबंधित पंचायत समिति स्थल पर उपस्थित होकर भर्ती प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

डब्ल्यएफआई अध्यक्ष संजय सिंह से मुलाकात करूंगा और उनसे महासंघ के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करूंगा।

- अमन सहरावत

ओलंपिक मेडलिस्ट, कुश्ती महासंघ द्वारा प्रतिबंध को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — कुलदीप यादव

भारत ने अब तक दोनों मैचों में कुलदीप यादव का रुख नहीं किया है। इस बात को लेकर चर्चा है कि भारत को कुलदीप के रूप में एक आक्रामक विकल्प के साथ जाना चाहिए या फिर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को देखते हुए बल्लेबाजी में गहराई सुनिश्चित करना ही एक बेहतर विकल्प है। तीसरे मैच में जीत दर्ज करने के लिए भारत को अपनी गेंदबाजी यूनिट में बदलाव करने की जरूरत है और इस बात की संभावना है कि शायद कुलदीप यादव की टीम में एंट्री हो। क्या भारत अपने तेज गेंदबाज़ी आक्रमण को भी धार देने की योजना बनाएगा और प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम वनडे के एकादश मे जगह मिलेगी?

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 56 मुकाबलों में 40 में कंगारू और 14 में भारत को जीत मिली है।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया

मियामी, 24 अक्टूबर। लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपने अनुबंध को अपने 41वें जन्मदिन के बाद तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, एमएलएस क्लब ने यह जानकारी दी। 38 वर्षीय मेसी, जिनका पिछला अनुबंध दिसंबर में समाप्त होने वाला था, ने 2028 के अंत तक चलने वाले इस समझौते की व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति जताई। सह-मालिक डेविड बेकहम ने एक बयान में कहा, ''हमारा लक्ष्य इंटर मियामी और इस शहर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लाना था, और हमने ठीक यही किया है।वह अब भी पहले की तरह ही प्रतिबद्ध हैं और अब भी जीतना चाहते हैं।'' 2023 में क्लब में शामिल होने के बाद से मेसी ने 82 मैचों में 71 गोल किए हैं और 37 असिस्ट दिए हैं, जिससे मियामी को 2023 लीग कप और 2024 सपोर्टर्स शील्ड जीतने में मदद मिली है। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता ने 29 गोल के साथ इस साल का एमएलएस गोल्डन बूट जीता और लीग के एमवीपी पुरस्कार के लिए चुने गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं। बेकहम ने कहा, ''लियो का इंटर मियामी के लिए अपना भविष्य समर्पित करना, हमारे यहां जो कुछ भी बन रहा है, उसमें उनके विश्वास को दर्शाता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''उन्होंने इस देश में खेल का चेहरा बदल दिया है, और हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि वह भविष्य में हमारे क्लब का नेतृत्व करेंगे।'' इंटर मियामी नियमित सत्र के अंत में एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहा। फ्लोरिडा की यह टीम शुक्रवार को प्लेऑफ के पहले दौर में नैशविले से खेलेगी, जिसका फैसला तीन मैचों में होगा।

उन्नति और रोहन-रुथविका और कविप्रिया-सिमरन की जोड़ी फ्रेंच ओपन में हारी

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नित हुडा महिला एकल, रोहन कपूर-रुथविका गड्डे मिश्रित युगल और कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंघी की जोड़ी को फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 के युगल में मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ भारत का टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया। गुरुवार को खेले गये मुकाबले के दूसरे राउंड में 18 साल की उन्नित हुड्डा को एकल मुकाबले में चीन की वांग झीयी से 21-14, 21-11 से हार का सामना करना पड़ा।

सम्मान बचाने उतरेगा भारत, विराट कोहली और शुभमन गिल पर होगी नजर

सिडनी, 24 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले को जीत भारत सम्मान बचाने उतरेगा। पिछले दो मैचों में विफल रहे कप्तान शुभमन गिल और विराट कोहली पर सभी की नजर होगी।

पूर्व कप्तान और शानदार एंकर कोहली ने अभी तक इस सीरीज में अपना दबदबा नहीं दिखाया है, जबकि टीम की कप्तानी कर रहे गिल शीर्षक्रम में नियंत्रण बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनके कंधों पर बहुत बड़ा बोझ है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हर मोर्चे पर पटखनी दी है। कोहली और रोहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब केवल एकदिवसीय मैच ही खेलते हैं, ऐसे में दोनों ही बल्लेबाज सीरीज के अंतिम मैच में बेहतर प्रदर्शन कर सीरीज का सुखद अंत करना चाहेंगे।

कप्तान शुभमन गिल के लिए यह दौरा कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी के दृष्टिकोण से भी अच्छा नहीं रहा है। गिल ने पहले दो मैच में कुल 19 रन ही बना पाए हैं। मध्य क्रम में के एल राहुल ने पहले और श्रेयस अय्यर ने दूसरे मैच में अच्छी बल्लेबाज़ी की थी लेकिन भारत इन दोनों के एक साथ प्रदर्शन करने की उम्मीद करेगा। सिडनी में भारत को सार्थक चुनौती पेश करने के लिए कोहली को अपनी लय, टाइमिंग और दबदबा वापस आना होगा और गिल को पारी की शुरुआत में उदाहरण पेश करते हुए

नेतृत्व करना होगी, ताकि बाद में आने वालों के लिए माहौल सेट हो सके।

वहीं आत्मविश्वास से भरा हुआ ऑस्ट्रेलिया सीरीज का आखिरी मैच जीतकर क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान में उतरेगा है। मिशेल मार्श और ट्रैविस हेड शुरुआती आक्रामकता प्रदान करते हैं, जबकि मैथ्यू शॉर्ट और मैट रेनशॉ बीच के ओवरों में पारी को स्थिरता देते हैं। कूपर कॉनली और मिशेल ओवेन फिनिशिंग पावर देते हैं, यह सुनिश्चित करते हैं कि मोमेंटम कभी रुके नहीं। जोश हेज़लवुड, मिशेल स्टार्क, ज़ेवियर बार्टलेट और एडम जम्पा की अगुवाई वाला गेंदबाजी आक्रमण सटीक और लगातार रहा है, जिससे पिछले दोनों मुकाबलों में भारतीय बल्लेबाज दबाव में रहे हैं।

एकदिवसीय प्रारूप में दोनों के बीच कुल 154 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 86 में ऑस्ट्रेलिया और 58 में भारत को जीत मिली है। भारत में खेले गए 72 मुकाबलों में 34 में ऑस्ट्रेलिया और 33 में भारतीय टीम को जीत मिली है। ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 56 मुकाबलों में 40 में कंगारू और 14 में भारत को जीत मिली है। तटस्थ स्थान पर 26 मैचों में से 11 में भारत और 12 में ऑस्ट्रेलिया ने जीते है।

भारत आक्रमण में धारा लेने के लिए कुलदीप यादव का रुख कर सकता है। बाएं हाथ के रिस्ट-स्पिनर की गेंद को दोनों तरफ घुमाने और इनिंग्स के आखिर में रफ पैच का फायदा उठाने की काबिलियत ऑस्ट्रेलिया के मिडिल ऑर्डर को परेशान कर सकती है, खासकर मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह के साथ नई गेंद से, और बीच के ओवरों में वाशिंगटन सुंदर के कंट्रोल से। यह काफी हद तक कोहली और गिल के फॉर्म और अथॉरिटी में वापस आने पर निर्भर करता है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की बात की जाये तो यह शुरुआत में सीम मूवमेंट और असमान उछाल ओपनर्स के लिए चुनौती पेश करते हैं। स्पिनर्स को बाद में फायदा मिलता है।

पिच और परिस्थितियां

शनिवार को सिडनी में मौसम साफ और सुहावना रहने की उम्मीद है। हालिया समय में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर स्पिन को उतनी मदद नहीं देखी गई है लेकिन सपाट सतहों पर स्पिन गेंदबाज अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने यहां की परिस्थितियों का भरपूर आनंद लिया है और यहां पिछले लगातार छह वनडे जीत में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने बड़े स्कोर बनाए हैं।

संभावित एकादश ऑस्ट्रेलिया:- मिशेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, मैट रेनशॉ, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कूपर कॉनोली, मिशेल ओवेन, जेवियर बार्टलेट, मिशेल स्टार्क/बेन ड्वारशुइस, एडम ज़म्पा, जोश हेजलवुड/नाथन एलिस

संभावित एकादश भारत:- रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

एक बार जब विराट तेजी से स्ट्राइक रोटेट करना शुरू कर देते हैं, तो फिर उन्हें रोकना बहुत मुश्किल हो जाता है : इरफान पठान

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। एडिलेड में रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने वनडे सीरीज में 2-0 से अपराजेय बढ़त बना ली है, अब नजरें सिडनी में होने वाले आखिरी वनडे पर टिकी हैं। अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगाकर, भारत इस सीरीज़ का

अंत सकारात्मक अंदाज में करना चाहेगा। जियोस्टार पर एक्सक्लूसिव बातचीत में, विशेषज्ञ इरफ़ान पठान, अभिषेक नायर और आकाश चोपड़ा ने अपनी राय साझा की कि सीरीज के आखिरी मैच में सांत्वना भरी जीत हासिल करने के लिए टीम इंडिया को क्या करना होगा। इरफ़ान पठान ने विराट कोहली के फॉर्म और दृष्टिकोण पर बात करते हुए कहा, ''विराट कोहली का फॉर्म महत्वपूर्ण है। उन्हें स्ट्राइक रोटेट करने और स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाने की ज़रूरत है। क्योंकि एक बार जब वह ऐसा करने लगते हैं, तो किसी भी विरोधी टीम के लिए उन्हें रोकना बहुत मुश्किल हो जाता है। मुझे उम्मीद है कि विराट तेज़ी से स्ट्राइक रोटेट करना शुरू कर देंगे, बोर्ड पर कुछ रन बनाएंगे, और एक बार ऐसा हो जाने के बाद, उन्हें पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं होगी।'' अभिषेक नायर ने भारतीय तेज गेंदबाज़ों पर अपने विचार साझा करते हुए कहा,''भारत के तेज गेंदबाज़ों को ज़्यादा विकेट लेने होंगे। इन ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उन्हें जिस तरह की मदद मिल रही है, उसे देखते हुए उन्हें परिस्थितियों का पूरा फ़ायदा उठाना होगा और अपने प्रदर्शन में इसे दिखाना होगा। मैं भारतीय तेज गेंदबाज़ों को, खासकर नई गेंद से, शुरुआत में ही स्ट्राइक करते और प्रभाव छोड़ते देखना चाहूँगा।'' आकाश चोपड़ा ने कुलदीप यादव को टीम में शामिल करने के बारे में कहा, ''सिडनी में तीन तेज गेंदबाज़ों की जरूरत शायद न पड़े, क्योंकि यह आमतौर पर स्पिन के लिए अनुकूल पिच होती है। कुलदीप यादव को यहाँ गेंदबाजी करना पसंद है; यह एक बड़ा मैदान है, और आप बीच के ओवरों में इसका फ़ायदा उठा सकते हैं। भारत को कुलदीप को खिलाना चाहिए और बीच के ओवरों का फ़ायदा उठाना चाहिए, जिससे विकेट लेने के मौके बनेंगे और स्पिन के जरिए दबाव बनेगा।'' भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे 2025 के तीसरे वनडे मैच का पूरा प्रसारण 25 अक्टूबर को भारतीय समयानुसार सुबह 9 बजे , जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव देखा जा सकता है।

भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज में ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वारशिवस की वापसी

सिडनी 24 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वारश्विस की वापसी बुलाया तथा तेज गेंदबाज माहली बियर्डमैन को भी टीम में जगह दी गई है। इसी के साथ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय के लिए जैक एडवर्ड्स को टीम में बुलाया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने दोनों सफेद गेंद टीम में बदलाव की पुष्टि करते हुए तीसरे एकदिवसीय से मार्नस लाबुशेन को रिलीज कर दिया। लाबुशेन मंगलवार से गाबा में शुरू हो रहे क्वींसलैंड के लिए एनएसडब्ल्यू के खिलाफ शेफील्ड शील्ड मुकाबले की तैयारी करेंगे। इसके अलावा जॉश हेजलवुड और सीन एबट दोनों ही टी-20 सीरीज के अंतिम चरण के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। वह 10 नवंबर से एससीजी में शुरू हो रहे विक्टोरिया के लिए एनएसडब्ल्यु के खिलाफ शेफील्ड शील्ड मैच के लिए उपलब्ध होंगे।

मोहसिन नकवी ने की एक और गिरी हुई हरकत

एशिया कप ट्रॉफी को एसीसी मुख्यालय से हटाया

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन और एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी अपनी हरकतों से बाज़ नहीं आ रहे हैं। एशिया कप ट्रॉफी को लेकर अब पीसीबी चीफ ने एक और ओच्छी हरकत कर दी है। पहले तो 28 सितंबर को फाइनल मैच के बाद टूर्नामेंट की विजेता टीम इंडिया को ट्रॉफी सौंपने के बजाय वह उसे अपने साथ एसीसी मुख्यालय ले आए। उसके बाद अब रिपोर्ट आ रही है कि उन्होंने ट्रॉफी एसीसी मुख्यालय से हटाकर किसी अनजान जगह पर रखवा दी है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारतीय टीम ने एशिया कप के मैचों में पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया था। टीम इंडिया ने 28 सितंबर को एशिया कप के फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को कड़ी शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया था।

पीयूष पांडे का निधन

जयपुर, 24 अक्टूबर। राजस्थान के पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी पीयूष पांडे का निधन आज हुआ। पीयूष पांडे जन्म 5 सितंबर 1955 को हुआ था। उन्होंने राजस्थान के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज़ के रूप में 5 रणजी ट्रॉफी मैच खेले हैं। उन्होंने 1977-78 में नई दिल्ली के करनैल सिंह स्टेडियम में रेलवे के खिलाफ अपना पहला मैच खेला था।

राजस्थान पेट्रो जोन पचपदरा में भूखंडों की आवंटन प्रक्रिया शुरू

राजस्थान रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों से लगेंगे नये उद्योग

-कार्यालय संवाददता-

जयपुर। पचपदरा (बालोतरा) में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड द्वारा स्थापित की जा रही रिफाइनरी में शीघ्र ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने जा रहा है। इस वजह से रिफाइनरी के निकट रीको द्वारा स्थापित राजस्थान पेट्रो जोन (आरपीजेड) में भी उद्यमियों का रूझान बढ़ रहा है, क्योंकि रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों का उपयोग आरपीजेड में लगने वाले उद्योगों में ही कच्चे माल के रूप में हो सकेगा। इसके मद्देनजर आरपीजेड में भूखण्ड आवंटन के लिये उद्यमी रीको से लगातार संपर्क कर रहे है। रीको प्रशासन ने भी आरपीजेड एरिया में भूखण्डों के आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

इसी कड़ी में प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के तहत पॉलिमर-आधारित उद्योगों के लिये 11 भूखण्डों के ऑफर लेटर भी जारी कर दिये गये हैं, जिससे लगभग 65 करोड़ रूपये का निवेश होगा। इसके अतिरिक्त 25 अन्य उद्यमियों ने भी राजस्थान सरकार के साथ राइजिंग राजस्थान के तहत पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक उद्योग लगाने हेतु एमओयू निष्पादित किये हैं। इन एमओयू से राज्य में करीब 200 करोड़ रूपये का निवेश होगा तथा स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। राजस्थान का क्रूड ऑयल तथा नेचुरल गैस के उत्पादन में देश में प्रमुख स्थान है। आरपीजेड में लगने वाले पेट्रोकेमिकल एवं प्लास्टिक उद्योगों से राजस्थान अब इस क्षेत्र में भी अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। ऐसे उद्यमी जिनके पास पेट्रोकेमिकल एवं केमिकल्स में टेक्निकल योग्यता तो है, परंतु पूंजी की उपलब्धता नहीं है, उनके लिये रीको आरपीजेड में ही प्लग एवं प्ले फैक्ट्री शेड भी बना रहा है, जिससे इस तरह के तकनीकी उद्यमी अपना उद्योग शुरू कर सकें। रीको ऐसे करीब 8 प्लग एवं प्ले फैक्ट्री शेड्स का आरपीजेड में निर्माण कर रहा है। एक शेड की कीमत करीब 3 करोड़ रूपये है। इन उद्योगों के लिये फीडस्टॉक की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

- **प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के तहत पॉलिमर-आधारित उद्योगों के लिये 11 भूखण्डों के ऑफर लेटर जारी किए जा चुके, इससे लगभग 65 करोड़ रूपये का निवेश होगा**
- **इसके अलावा 25 उद्यिमयों ने सरकार के साथ राइजिंग राजस्थान में एमओयू किए हैं, जिनसे राज्य में 200 करोड़ रूपये का निवेश के साथ रोजगार भी बढ़ेगा**

राजस्थान पेट्रो जोन रिफाइनरी से मात्र 12 किमी की दूरी पर स्थित है तथा अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्ग 25 से जुड़ा हुआ है। इस परियोजना से प्लास्टिक व पॉलिमर प्रोसेसिंग, रबड व पीयू मैन्युफैक्चरिंग, टेक्निकल टैक्सटाइल, रसायनिक एवं फार्मास्यूटिकल जैसे उद्योगों के जरिये राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। यह सभी उद्योग प्रोपलीन, बेंजीन, टोल्यून और ब्यूटाडाइन जैसे फीडस्टॉक का उपयोग करेंगे।

पेट्रो जोन के पहले चरण में ''एलएलडीपीई और एचडीपीई'' जैसे कच्चे माल पर आधारित डाउनस्ट्रीम उद्योगों की स्थापना पर विशेष ध्यान रहेगा। आरपीजेड विकसित होने से रिफाइनरी से निकलने वाले उत्पादों का बेहतर इस्तेमाल यहीं पर हो सकेगा तथा इससे रिफाइनरी को भी इन डाउनस्ट्रीम उत्पादों को अन्य शहरों एवं औद्योगिक क्षेत्रों में परिवहन नहीं करना पडेगा, जिससे रिफाइनरी को भी फायदा होगा।

राजस्थान में मनमाने ढंग से फीस नहीं वसूल सकेंगे निजी मेडिकल कॉलेज

चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के आदेश जारी किए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में संचालित सभी निजी मेडिकल कॉलेजों को फीस संरचना के नियमों की कडाई से पालना सुनिश्चित करनी होगी। राज्य सरकार ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है।

- **कुछ कॉलेज 15 प्रतिशत सीटों को मैनेजमेंट सीट्स बताकर कर रहे थे अतिरिक्त वसूली : चिकित्सा शासन सचिव**
- **अगर किसी ने ज्यादा शुल्क लिया तो ब्याज सहित लौटाना होगा, संबद्धता हो सकती है समाप्त : अम्बरीश कुमार**

चिकित्सा शिक्षा विभाग के शासन सचिव अम्बरीश कुमार ने बताया कि पूर्व में कुछ निजी मेडिकल कॉलेजों द्वारा मनमाने ढंग से फीस वसूलने की शिकायतें मिली थी । इसके बाद राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के हित में फीस वसूली के नियमों में पूर्ण पारदर्शिता रखने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस्लामिक एकेडमी ऑफ एजुकेशन बनाम कर्नाटक राज्य मामले में दिए गए निर्णय की अनुपालना में यह आदेश जारी किया गया है, जिसमें निजी शैक्षिणक संस्थानों में शुल्क निर्धारण और प्रवेश प्रक्रिया को विनियमित करने पर जोर दिया गया है। आदेश के अनुसार राज्य स्तरीय शुल्क निर्धारण समिति द्वारा निर्धारित शुल्क संरचना का पालन सभी मेडिकल कॉलेजों के लिए अनिवार्य है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि यह आदेश मुख्य रूप से निजी चिकित्सा महाविद्यालयों द्वारा अनाधिकृत रूप से अतिरिक्त शुल्क वसूली की शिकायतों के आधार पर जारी किया गया है। विशेष रूप से यूजी काउंसलिंग बोर्ड की वेबसाइट पर कुछ निजी कॉलेजों द्वारा 15 प्रतिशत सीटों को मैनेजमेंट सीट्स बताकर अतिरिक्त शुल्क प्रदर्शित किया जा रहा है, जो शुल्क नियामक समिति द्वारा अधिकृत नहीं है। यह सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की अवहेलना है, जिसमें शिक्षा को लाभकारी व्यवसाय बनाने पर रोक लगाई गई है।

कई मामलों में विद्यार्थियों से निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूल करने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। राज्य सरकार को प्राप्त शिकायतों और निरीक्षणों से पता चला कि कुछ संस्थाएं व्यावसायीकरण की प्रवृत्ति अपनाकर विद्यार्थियों का शोषण कर रही हैं, जो संवैधानिक मूल्यों के विरूद्ध है। इस आदेश से ऐसी अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सकेगी। आदेश के अनुसार निजी चिकित्सा महाविद्यालयों को अनुमोदित शुल्क संरचना का पालन करना होगा। सभी निजी चिकित्सा महाविद्यालयों एवं डेंटल महाविद्यालयों को समिति द्वारा निर्धारित शुल्क संरचना के अनुसार ही विद्यार्थियों से शुल्क वसूल करना होगा।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि किसी भी संस्था द्वाराअनुमोदित शुल्क से अधिक कोई अन्य शुल्क वसूला जाता है तो प्रभावित विद्यार्थियों को 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ शुल्क वापस किया जाएगा। नियमों का अनुपालन न करने पर संस्था की संबद्धता आरयूएचएस एवं एमएमयू से समाप्त की जा सकती है, अतिरिक्त शुल्क कॉलेज की संपत्तियों से वसूल किया जाएगा और प्रभावित विद्यार्थियों को अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों में स्थानांतरित किया जाएगा। ऐसी संस्थाओं के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। इसकी जानकारी एनएमसी एवं डीसीआई को भी दी जाएगी। संबद्धता समाप्त होने पर विद्यार्थियों के शुल्क और वित्तीय भार की वसूली संबंधित संस्था से की जाएगी।

राज्य सरकार के इस आदेश से विद्यार्थियों से अनुचित फीस वसूली पर प्रभावी रोकथाम लगेगी। साथ ही, चिकित्सा शिक्षा अधिक सुलभ और किफायती बनेगी। इससे मेरिट आधारित प्रवेश प्रक्रिया मजबूत होगी और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी, व्यावसायीकरण पर रोक लगेगी और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

चिकित्सा शिक्षा का स्तर बेहतर होगा और स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान करने वाले योग्य डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी। ईमानदार संस्थाओं को समान प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलेगा। चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा है कि विद्यार्थी और अभिभावक प्रवेश से पहले शुल्क की आधिकारिक सूची की जांच कर लें और कोई अनियमितता पाएं तो तुरंत चिकित्सा शिक्षा विभाग या शुल्क निर्धारण समिति से शिकायत करें।

हवन-यज्ञ के साथ पंतजलि इमरजेंसी एण्ड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का अनौपचारिक शुभारंभ हुआ

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ में चिकित्सा विज्ञान का नया इतिहास गढ़ा गया। स्वामी रामदेव महाराज तथा आचार्य बालकृष्ण की उपस्थिति में यज्ञ-अग्निहोत्र के अनुष्ठान व वेदमंत्रों के साथ पंतजलि इमरजेंसी एण्ड क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल का अनौपचारिक प्रारंभ किया गया।

स्वामी रामदेव ने कहा कि आज चिकित्सा विज्ञान के अनुष्ठान का नया अध्याय प्रारंभ हो रहा है। पतंजलि की यह व्यवस्था चिकित्सकीय लोकतांत्रिक व्यवस्था है जो रोगियों के लिए न्यायप्रधान है। उन्होंने घोषणा की कि हरिद्वार में तो इस हॉस्पिटल का मात्र बीजारोपण है, दिल्ली, एन.सी.आर. में एम्स, अपोलो या मेदांता से भी बड़ा वर्जन बहुत जल्द सामने आएगा। विशेष बात यह रहेगी कि यह कॉरपोरेट हॉस्पिटल नहीं कॉपरेट हास्पिटल होगा, जिसमें व्यापार नहीं [illegible] की सेवा की जाएगी। हमारा उद्देश्य एकीकृत चिकित्सा पद्धित के तहत रोगियों को आरोग्य प्रदान करना है। स्वामी रामदेव ने कहा कि यहां पर कैंसर की सर्जरी को छोड़कर अत्यंत जटिल मानी जाने वाली ब्रेन, हार्ट व स्पाइन की सर्जरी की भी व्यवस्था होगी। भविष्य में कैंसर की सर्जरी सुलभ कराने की भी हमारी योजना है। रोगियों को एम.आर.आई., सी.टी. स्कैन, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, पैथोलॉजिकल जाँच आदि की सुविधा भी यहाँ मिल सकेगी। पूरे विश्व के टॉप पैरामीटर्स का यहाँ अनुसरण किया गया है। यहाँ प्रतिदिन सैकड़ों मरीजों की सर्जरी तथा क्रिटिकल केयर की व्यवस्था है। पतंजलि में बहुत आवश्यक होने पर ही सर्जरी की जाएगी और रोगी हॉस्पिटलों के मनमाने पैकेज के बोझ से भी बच सकेंगे।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि चिकित्सा के लिए मॉडर्न मेडिकल साइंस की मात्र 20 प्रतिशत ही आवश्यकता है। इसमें 80 प्रतिशत परंपरागत चिकित्सा को जोड़ दिया जाए तो चार से पाँच वर्षों में ही पूरी दुनिया में चिकित्सा व्यवस्था को व्यवस्थित करने में हम सफल हो जाएँगे। क्रिटिकल केयर के लिए जहाँ एक ओर मॉडर्न मेडिकल साइंस को हमें स्वीकारना होगा तो वहीं असाध्य समझे जाने वाले रोगों के लिए योग-आयुर्वेद को भी हमें समाधान के रूप में स्वीकार करना होगा। चरक व सुश्रुत संहिता में उल्लिखित है कि चिकित्सक को जो संकल्प दिलाया जाता है, वह किसी पैथी विशेष के लिए नहीं अपितु रोगी को निरोग करने के लिए दिलाया जाता है। आज हमारा चिकित्सकीय ज्ञान पैथियों में बंट चुका है, परंतु लक्ष्य तो पैथियों में बंटना नहीं था। लक्ष्य तो रोगी को निरामय करना था। कार्यक्रम में डॉ. सुनील अहूजा, डॉ. एन.पी. सिंह, डॉ. साध्वी देवप्रिया, अंशुल शर्मा, पारूल शर्मा, डॉ. सम्भ्रांत, ब्रिगेडियर टी.सी. मल्होत्रा, डॉ. अनुराग वार्ष्णेय, इमरजेंसी विभाग से डॉ. अनिल दास, डॉ. नितिन कुमार चंचल, आई.सी.यू. विभाग से डॉ. श्वेता जायसवाल, डॉ. अंकित कुमार बोधखे, न्यूरो विभाग से डॉ. गौरव सिंह अभय, ऑर्थोपैडिक विभाग से डॉ. मनोज त्यागी, एनेस्थिसिया विभाग से डॉ. संजय महेश्वरी, कार्डियोलॉजी विभाग से डॉ. कृष्णा सी.के., जनरल सर्जरी विभाग से डॉ. कशीश सचदेवा, रेडियोलॉजी विभाग से डॉ. केशव चंद गुप्ता व डॉ. शोभित चंद्रा, दंत चिकित्सा विभाग से डॉ. कुलदीप सिंह तथा डॉ. गुरप्रीत ऑबराय तथा पैथोलॉजी विभाग से डॉ. एस. रेणुका रानी मौजूद थे।

डीजीपी कराए चेक बाउंस के आरोपी के गिरफ्तारी वारंट की तामील

जयपुर । चैक अनादरण मामलों की विशेष अदालत, महानगर प्रथम ने बीस लाख रुपए के चेक बाउंस के पांच साल पुराने मामले में आरोपी के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट की तामील नहीं होने को गंभीर माना है। इसके साथ ही अदालत ने डीजीपी को कहा है कि वह आरोपी गोपाल सिंह बोहरा के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट की तामील कराए। पीठासीन अधिकारी ललिता कुमारी सोनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट ने पांच व दस साल से ज्यादा पुराने केसों के जल्द निस्तारण के सख्त निर्देश दे रखे हैं। ऐसे में आरोपी के गिरफ्तारी वारंट की तामील सुनिश्चित करना जरूरी है। मामले से जुडे अधिवक्ता एसजे मूथा ने बताया कि आरोपी ने परिवादी रघुवीर सिंह से निजी जरूरतों के लिए 20 लाख रुपए उधार लिए थे। वहीं इस राशि के भुगतान के लिए उसे चेक दिए, लेकिन यह चेक 29 मई 2018 को आरोपी के हस्ताक्षर अलग होने के चलते बाउंस हो गया। उसने आरोपी को विधिक नोटिस भी दिया, लेकिन फिर भी चेक राशि का भुगतान नहीं किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर दीपावली मिलन कार्यक्रम में आमजन से मुलाकात की। सभी से दीपावली की रामा-श्यामा करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की और साधु-संतों से भी मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनसेवा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी ध्येय के साथ जन समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सभी से प्रदेश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर सांगानेर सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोग उपस्थित थे।

प्रदेश की हर छात्रा को उच्च शिक्षा के पर्याप्त अवसर मिलेंगे - भजनलाल

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 2025-26 में छात्राओं को 4,240 स्कूटियों का वितरण किया जाएगा

- **राज्य सरकार देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण योजना के तहत अब तक 74 करोड़ 35 लाख रूपये व्यय करके 16 हजार 21 छात्राओं को लाभांवित कर चुकी है।**

जयपुर, 24 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश की प्रत्येक बेटी उच्च शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बने, जिससे राज्य महिला शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू सके। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना वर्ष 2011-12 में आरम्भ की गई थी। इस योजना के तहत, राजस्थान मूल की विशेष पिछड़ा वर्ग की वो छात्राएं, जिन्होंने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं परीक्षा में 50 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किये हैं, तथा राजस्थान स्थित राजकीय महाविद्यालयों, राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में स्नातक प्रथम वर्ष में नियमित अध्ययनरत हैं, उन्हें 12 वीं परीक्षा में प्राप्तांक प्रतिशत की वरीयता सूची के आधार पर स्कूटी प्रदान की जाती है।

मुख्यमंत्री की पहल पर इस योजना के तहत प्रतिवर्ष निर्धारित लक्ष्य के अलावा, अन्य समान कट ऑफ प्राप्तांक वाली छात्राओं को भी स्कूटी निःशुल्क वितरित की जाती है। वर्ष 2019-20 से प्रतिवर्ष 1500 स्कूटी वितरण का लक्ष्य निर्धारित था, जिसे राज्य सरकार द्वारा बढ़ाया गया है और अब वर्ष 2025-26 से 4 हजार 240 स्कूटियों का वितरण किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत, विशेष पिछड़ा वर्ग की वे छात्राएं, जो स्कूटी स्वीकृति की वरीयता सूची में नहीं आ पाती हैं, उनके लिए स्नातक प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष में 50 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने पर 10,000 रूपये वार्षिक प्रोत्साहन राशि दी जाती है। राज्य सरकार द्वारा देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण योजना के तहत, अब तक 74 करोड़ 35 लाख रुपये व्यय कर 16 हजार 21 छात्राओं को लाभान्वित किया जा चुका है। साथ ही, प्रोत्साहन राशि में 9 करोड़ 76 लाख रुपए व्यय कर 19 हजार 100 छात्राएं लाभान्वित की जा चुकी हैं।

जम्मू-कश्मीर में राज्यसभा की तीन सीटें नैशनल कॉन्फ्रेंस ने व एक भाजपा ने जीती

शुक्रवार सुबह विधानसभा परिसर में हुई वोटिंग में 86 विधायकों ने वोट डाला

- **हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद लोन ने वोट नहीं डाला और आप विधायक ने मेहराज मलिक ने डाक मतपत्र का प्रयोग किया।**

श्रीनगर, 24 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार (24 अक्टूबर) को राज्यसभा की चार सीटों के लिए चुनाव हुए। तीन सीटें नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जीतीं वहीं एक सीट भाजपा ने जीत ली। केंद्र शासित क्षेत्र बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में पहली बार राज्यसभा चुनाव हुए। भाजपा की जीत कुछ विधायकों की क्रॉस वोटिंग से संभव हुई है।

तीन सीटों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार चौधरी मुहम्मद रमजान,सज्जाद किचलू और गुरुशरण (शमी) ओबेरॉय जीते हैं। एक सीट भाजपा के सत शर्मा ने जीती है।

इसके पहले आज सुबह विधानसभा परिसर में वोटिंग हुई। 86 विधायकों ने वोटिंग की। आप विधायक मेहरान मलिक जो हिरासत में हैं, का वोट डाक मतपत्र के माध्यम से डाला गया। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद लोन ने मतदान में भाग नहीं लिया।

5 अगस्त, 2019 को आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद और जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने के बाद से यह जम्मू-कश्मीर से पहला राज्यसभा चुनाव है।

ये सीटें 15 फरवरी 2021 में खाली हुई थीं, जब पूर्व सांसदों गुलाम नबी आजाद और नजीर अहमद लावे ने अपना कार्यकाल पूरा किया था। दो अन्य सदस्यों, फयाज अहमद मीर और शमशीर सिंह मन्हास ने उसी वर्ष 10 फरवरी को अपना कार्यकाल पूरा किया था।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 90 सीटें हैं। बडगाम सीट से उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे और नगरोटा सीट पर भाजपा के देविंदर राणा के निधन के कारण दो सीटें खाली हैं। इस तरह में कुल 88 विधायक हैं। इनमें से 86 विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में वोटिंग की।

राज्यसभा चुनाव के नतीजों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बयान दिया है। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस के तीन उम्मीदवारों को राज्यसभा चुनाव में जीत दर्ज करने पर बधाई दी।

उमर ने कहा कि उनके किसी विधायक ने 'क्रॉस वोटिंग' नहीं की, इसलिए यह सवाल उठता है कि भाजपा को मिले चार अतिरिक्त वोट किसके हैं। मुख्यमंत्री जानना चाहते थे कि वे कौन विधायक थे जिन्होंने 'मतदान के दौरान गलत वरीयता संख्या डालकर जानबूझकर अपने वोट अमान्य कर दिए'। उन्होंने कहा, ''क्या उनमें इतनी हिम्मत है कि वे हमें वोट देने का वादा करने के बाद भाजपा की मदद करने की बात स्वीकार करें? किस दबाव या प्रलोभन ने उन्हें यह रास्ता अख्तियार करने में मदद की? देखते हैं कि भाजपा की गुप्त टीम का कोई सदस्य अपनी आत्मा बेचने की बात स्वीकार करता है या नहीं!''

बिहार में सपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शिवपाल शामिल नहीं

लखनऊ 24 अक्टूबर।समाजवादी पार्टी (सपा) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी द्वारा हस्ताक्षिरत यह सूची चुनाव आयोग को भेजी गई है। इस सूची में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित कुल 20 प्रमुख नेता शामिल हैं। जबकि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव को स्टार प्रचारकों की सूची से बाहर रखा गया है। आयोग को भेजे गए पत्र में कहा है कि रिप्रजेंटेशन ऑफ द पीपुल एक्ट, 1951 की धारा 77 के तहत ये नेता समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के प्रचार-प्रसार में भाग लेंगे। समाजवादी पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया है कि ये सभी नेता गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करेंगे। जारी सूची में प्रमुख नामों में अखिलेश यादव (राष्ट्रीय अध्यक्ष), किरणमय नंदी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), मोहम्मद आज़म खां (राष्ट्रीय महासचिव), डिम्पल यादव (सांसद) और अफलाकुर रहमान अंसारी (सांसद) शामिल हैं।

तमिलनाडु में अगले सप्ताह शुरु होगा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण

भारतीय चुनाव आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को गुरुवार को यह जानकारी दी

- **मद्रास हाईकोर्ट में अन्नाद्रमुक के विधायक सत्यनारायण ने याचिका दायर की व कहा कि चेन्नई के टी नगर निर्वाचन क्षेत्र से उनकी पार्टी के 13,000 समर्थकों के नाम हटाए गए।**

चेन्नई, 24 अक्टूबर। वर्ष 2026 में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा के चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अगले सप्ताह से आरंभ होगी। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने यह जानकारी गुरुवार को मद्रास उच्च न्यायालय को दी। आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया पूरे देश में चलने वाले वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। इसका उद्देश्य आगामी चुनावों से पूर्व मतदाता सूची को अद्यतन और सत्यापित करना है।

इस दौरान नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जाएंगे, अयोग्य हो चुके व्यक्तियों के नाम हटाए जाएंगे और सूची में मौजूद त्रुटियों को सुधारा जाएगा।

यह जानकारी उच्च न्यायालय में उस याचिका की सुनवाई के दौरान दी गई, जिसे अन्नाद्रमुक के पूर्व विधायक सत्यनारायणन ने दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि चेन्नई के टी. नगर निर्वाचन क्षेत्र में द्रमुक के पक्ष में लगभग 13,000 अन्नाद्रमुक समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

आयोग ने अदालत को भरोसा दिलाया कि आगामी विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया से याचिकाकर्ता की चिंताओं का समाधान होगा। इसके साथ ही, अदालत ने आयोग को निर्देश दिया कि वह बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित एक मामले में दिए गए उच्चतम न्यायालय के आदेश की प्रति प्रस्तुत करे।

आयोग ने कहा कि वह चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रंप ने कैनडा के साथ सभी व्यापारिक वार्ताएं बंद कीं

ट्रंप ने ओंटारियो सरकार के रॉनल्ड रीगन सम्बंधी विज्ञापन को ''धोखा'' बताते हुए वार्ता समाप्त करने की घोषणा की

- **ओंटारियो सरकार के विज्ञापन में रॉनल्ड रीगन के शब्दों का प्रयोग कर टैरिफ का विरोध किया गया है।**

ओटावा, 24 अक्टूबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे ओंटारियो सरकार के एक विज्ञापन को लेकर कैनडा के साथ सभी व्यापार वार्ताएं समाप्त कर रहे हैं। इस विज्ञापन में दिवंगत अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के शब्दों का इस्तेमाल करके अमेरिकी दर्शकों को टैरिफ-विरोधी संदेश दिया गया है।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में उस विज्ञापन पर हमला किया, जिसका श्रेय उन्होंने ओंटारियो के बजाय कैनडा को दिया था, और इसे धोखाधड़ी तथा फर्जी बताया। ओंटारियो कैनडा का सीमावर्ती प्रांत है, जिसकी सीमाएं अमेरिका से लगती हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने लिखा, ''अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए टैरिफ बहुत महत्वपूर्ण हैं। उनके घृणित व्यवहार के आधार पर कैनडा के साथ सभी व्यापार वार्ताएं समाप्त की जाती हैं।''

शुक्रवार सुबह एक और पोस्ट में ट्रंप ने दावा किया, ''कैनडा ने धोखा दिया और पकड़ा गया!''

उन्होंने लिखा, ''उसने धोखे से एक बड़ा विज्ञापन देकर यह कह दिया कि रोनाल्ड रीगन को टैरिफ पसंद नहीं थे, जबकि असल में उन्हें अपने देश और उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए टैरिफ पसंद थे। कैनडा लंबे समय से टैरिफ के मामले में धोखा दे रहा है। हमारे किसानों से 400 प्रतिशत तक कर वसूल रहा है। अब वह और दूसरे देश अमेरिका का और फायदा नहीं उठा सकते।''

सिर्फ दो सप्ताह पहले कैनडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के वाइट हाउस दौरे के बाद ट्रंप ने अपने मंत्रिमंडल के दो वरिष्ठ सदस्यों को कैनडा के साथ स्टील, एल्युमीनियम और ऊर्जा पर एक समझौता करने का निर्देश दिया था।

फोर्ड के अमेरिकी व्यापार वार्ता के तरीके पर कार्नी ने कहा, ''हम अभी भी एकमत हैं।''ट्रंप के साथ ओवल ऑफिस की बैठक के बाद कार्नी ने कहा, ''हमें और भी बेहतर सौदा मिलेगा।'' उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय से टिप्पणी मांगी लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। गुरुवार देर रात एक वरिष्ठ संघीय सरकारी सूत्र ने रेडियो-कैनडा को बताया कि ओटावा को ट्रंप के सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से कुछ समय पहले ही वार्ता रद्द करने के फैसले के बारे में सूचित कर दिया गया था।

मनीष गुप्ता आयरलैंड में भारत के नये राजदूत

नयी दिल्ली, 24 अक्टूबर। घाना में भारतीय उच्चायुक्त मनीष गुप्ता को आयरलैंड में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक वक्तव्य जारी कर बताया कि गुप्ता के शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। गुप्ता भारतीय विदेश सेवा के 1998 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं और अपने दो दशक से भी लंबे कार्यकाल के दौरान, वे मॉस्को, ताशकंद, प्राग, कोलंबो, जकार्ता और वैंकूवर स्थित भारतीय मिशनों में कार्य कर चुके हैं।

दिल्ली एनसीआर में ड्रग्स का अवैध कारोबार पकड़ा

- **राजस्व खुफिया निदेशालय के इस क्रम में 26 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।**

नयी दिल्ली, 24 अक्टूबर। वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के तहत काम करने वाली एजेंसी राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में नशीले पदार्थों में लिप्त एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए, करीब 109 करोड़ रुपये की अवैध सामग्री जब्त की है। इस सिलसिले में 26 विदेशी नागरिक गिरफ्तार किये गये हैं।

शुक्रवार को जारी एक विज्ञिप्त में कहा गया कि इस नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई जारी है। अब तक की कार्रवाई में 16.27 किलोग्राम मेथामफेटामाइन, 7.9 किलोग्राम कोकीन, 1.8 किलोग्राम हेरोइन, 2.13 किलोग्राम गांजा और 115.42 किलोग्राम प्रीकर्सर रसायन जब्त किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमत लगभग 108.81 करोड़ रुपये आंकी गयी है।

डीआरआई ने इस नेटवर्क के खिलाफ इसी सप्ताह मंगलवार और बुधवार एक समन्वित अभियान चलाया। अधिकारियों ने ग्रेटर नोएडा में ऊँची आवासीय इमारतों के पास एक सुनसान खेत में चोरी छुपे मेथामफेटामाइन बनाने के एक ठिकाने पर छापा मारा। वहां उन्हें 11.40 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और इसे बनाने में इस्तेमाल होने वाले 110.923 किलोग्राम रसायन मिले।

तलाशी के दौरान वहां से कई संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

डीआरआई के अनुसार इस अभियान में उसके अधिकारियों को विभिन्न अधिकार क्षेत्रों (नोएडा (उत्तर प्रदेश), गुरुग्राम (हरियाणा) और दिल्ली) और चुनौतीपूर्ण जगहों पर कार्रवाई करनी पड़ी । यह जटिल अभियान खुफिया जानकारी और विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय से किया गया।

बंगाल की खाड़ी में मोंथा चक्रवात की शुरुआत की चेतावनी

तमिलनाडु व आंध्र के तटवर्ती जिलों के लिए अलर्ट जारी

- **मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र गहरा हो रहा है, रविवार सुबह तक यह चक्रवाती तूफान मोंथा में बदल सकता है।**

चेन्नई, 24 अक्टूबर। दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र अगले दो दिनों में गहरे दबाव के क्षेत्र में और फिर रविवार सुबह तक चक्रवाती तूफान मोंथा में तब्दील हो सकता है।

मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि अरब सागर के पूर्व-मध्य और दक्षिण-पूर्व हिस्से में भी एक दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। इस बीच उत्तर-पूर्व मानसून के सक्रिय होने और पिछले सप्ताह की भारी वर्षा से कावेरी डेल्टा क्षेत्र में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है। ऐसे में चक्रवात मोंथा के असर से तटीय जिलों सहित, भीतरी तमिलनाडु में भारी वर्षा की संभावना जतायी गयी है।

समुद्र में ऊंची लहरों और खराब मौसम को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गयी है। पिछले सप्ताह बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव जब कमजोर होकर आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ ा था, तो इससे काफी राहत मिली थी।

गौरतलब है कि थाईलैंड द्वारा सुझाये गये नाम मोंथा का अर्थ थाई भाषा में ''सुगंधित फूल'' या ''सुंदर फूल'' होता है। उत्तर-पूर्व मानसून की सक्रियता के चलते तमिलनाडु के अधिकांश हिस्सों में बारिश हो रही है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सभी जिलों में एहतियाती उपायों की तैयारियों की जानकारी ली है। इस बीच, विपक्ष ने राज्य सरकार पर वर्षा-पूर्व तैयारी में लापरवाही का आरोप लगाया है, क्योंकि डेल्टा जिलों के प्रत्यक्ष खरीद केन्द्रों (डीपीसी) पर किसानों द्वारा भारी मात्रा में रखा गया धान हाल की बारिश से भीग गया है। केन्द्र सरकार ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा त्वरित खरीद सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार के अनुरोध के बाद अधिकारियों की एक टीम भेजी है, जो धान की नमी की सीमा 17 प्रतिशत से बढ़ ाकर 21 प्रतिशत करने की आवश्यकता का आकलन करेगी।

50 लाख लोगों ने चार धाम यात्रा की

- **सरकारी सूत्रों ने बताया, मानसून में भारी प्राकृतिक आपदा से खराब हुई सड़कों की त्वरित मरम्मत के बाद तीर्थ यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ा**

देहरादून, 24 अक्टूबर।उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के अपर सचिव बंशीधर तिवारी ने शुक्रवार को बताया कि इस साल चार धाम यात्रा में लगभग 50 लाख श्रद्धालु दर्शनों के लिए पहुंचे।

तिवारी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि वर्षा काल के दौरान विषम परिस्थितियों के बावजूद श्रद्धालुओं का यह आंकड़ा 50 लाख के आसपास पहुँचा है। उन्होंने कहा कि मानसून काल के दौरान भारी बारिश के कारण उत्तराखंड को आपदाएं भी झेलनी पड़ी। भारी बरसात के कारण चार धाम यात्रा मार्गो पर स्थित कई सड़कों को क्षति पहुंची। यात्रा काल में मौसम खराब होने से हेली सर्विस भी ढंग से संचालित नहीं हो पाई।

उन्होंने कहा कि मानसून काल समाप्त होने के बाद क्षितग्रस्त सड़कों की मरम्मत का काम तेजी से किया गया। प्रथम और द्वितीय चरण में रिकॉर्ड श्रद्धालु चार धाम यात्रा में पहुंचे।

अमेरिका के आर्थिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वैसे भी, रूसी अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में नहीं है और देश के पास निर्यात के लिए तेल के अलावा, ज्यादा कुछ नहीं है। तेल निर्यात से होने वाली आय सरकार के पास जाती है और इसी से युद्ध को वित्तीय सहारा मिलता है। ट्रंप और उनके सलाहकार समूह लंबे समय से इन आर्थिक रास्तों को बंद करने की योजना बना रहे थे, ताकि पुतिन के लिए युद्ध की फण्डिंग मुश्किल हो जाए।

डॉनल्ड ट्रम्प अब तक रूस और पुतिन के युद्ध के खिलाफ सीधी कार्रवाई करने से बचते रहे थे, इस उम्मीद में कि धमकियाँ काम करेंगी और पुतिन बातचीत की मेज पर आएँगे। हालाँकि, जब भी पुतिन और ट्रंप के बीच बातचीत हुई, कोई नतीजा नहीं निकला।

ट्रंप ने स्वयं पुतिन के साथ अपनी निजी कूटनीति की विफलता स्वीकार करते हुए कहा कि उनकी बातचीत बहुत अच्छी रही, लेकिन अभी तक कोई नतीजा नहीं निकला, इसलिए रणनीति में बदलाव किया गया है।

दूसरी ओर, इन प्रतिबंधों का असर भारतीय रिफाइनरियों पर पड़ने लगा है और ऐसी खबरें हैं कि कुछ बड़ी निजी तेल रिफाइनरियाँ अब रूसी कच्चे तेल से दूरी बना रही हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज, गुजरात स्थित अपनी रिफाइनरी के लिए सस्ता रूसी कच्चा तेल खरीदती थी। कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए उसका रोसनेफ्ट के साथ बीस साल का अनुबंध है। भारत प्रतिदिन लगभग 17 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल आयात करता था। इसमें से एक बड़ा हिस्सा विशाल रिलायंस रिफाइनरी के लिए था। अन्य निजी रिफाइनरियाँ और कुछ सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियाँ भी रूसी कच्चा तेल खरीदती थीं।

रिलायंस के लिए रूसी कच्चे तेल से दूरी बनाना बहुत अहम है, क्योंकि किसी भी तरह के वित्तीय प्रतिबंध या अंतर्राष्ट्रीय बैंकों और बाज़ारों तक उसकी पहुँच पर रोक लगने से गंभीर परिचालन समस्याएं पैदा हो सकती हैं। वैश्विक पूँजी बाजारों तक उसकी पूरी पहुँच बाधित हो सकती है। रिलायंस मध्य पूर्व के उत्पादकों और लैटिन अमेरिकी तेल कंपनियों से कच्चे तेल की आपूर्ति की तलाश कर रही है। कुछ अन्य भारतीय कंपनियाँ, जैसे नायरा एनर्जी, के पास बहुत कम विकल्प हैं, क्योंकि उस पर पहले ही प्रतिबंध लगा हुआ है।

उद्योग जगत के जानकार लोगों का मानना है कि शुरुआत में रूस से तेल की आवक में भारी गिरावट आ सकती है, लेकिन, मध्यम से लंबी अवधि में रूसी तेल की बिक्री के वैकल्पिक रास्ते सामने आ सकते हैं। ऐसी स्थिति में, आयात की औसत मात्रा लगभग 16 लाख बैरल प्रतिदिन पर ही बनी रह सकती है। लेकिन ऐसा लगता है कि अमेरिका द्वारा प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करने के बाद, रूस के पास बातचीत की मेज पर आने के अलावा, अन्य कोई विकल्प नहीं होगा। आखिरकार, धन ही किसी भी युद्ध की रीढ़ होता है।

राहुल ने सीताराम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधानसभा चुनाव के बीच केसरी की पुण्यतिथि पर पिछले 25 साल में शायद पहला अवसर है, जब गांधी ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

आँध्र प्रदेश में चलती बस आग लगी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिनटों में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

तेलंगाना सरकार ने शुक्रवार को हैदराबाद से बंगलूरू जा रही निजी बस के यात्रियों के परिवारों की सहायता के लिए एक हेल्पलाइन शुरू की है।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्देश के बाद यह हेल्पलाइन शुरू की गई। उन्होंने सरकार के मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव और पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी से बात की। मुख्यमंत्री ने आईएएस अधिकारी एस हरीश और पड़ोसी राज्य तेलंगाना के कुरनूल जिले के गडवाल जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को दुर्घटनास्थल पर पहुँचने और राहत कार्यों के समन्वय के निर्देश दिये।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बस में आग लगने के कारण हुई लोगों की मौत पर शोक प्रकट किया और इस दुर्घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दुखद बस अग्निकांड में हुई मौतों की खबर बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं, और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिये प्रार्थना करती हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुरनूल सड़क हादसे पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी संदेश के मुताबिक, पीएम मोदी ने कहा, आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में हुई दुर्घटना में जान-माल की हानि से अत्यंत दुःखी हूं।

इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने हादसे में मरे अपने राज्य के 6 लोगों के परिजनों को 5 लाख रूपये की राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने हादसे के बाद शोक जताते हुए कहा, कुरनूल जिले के चिन्ना टेकुर गांव के पास हुई भीषण बस आग दुर्घटना के बारे में जानकर मुझे गहरा सदमा पहुंचा है। मेरी हार्दिक संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। सरकारी अधिकारी घायलों और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। हादसे के बाद, गहरी नींद में सो रहे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई, जबकि कई लोगों के आग में फंसने की भी खबर सामने आई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को कुरनूल जनरल अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि ज्यादातर यात्री हैदराबाद शहर के थे। हादसे के तुरंत बाद ड्राइवर फरार हो गए थे। आंध्रप्रदेश पुलिस के सूत्रों ने बताया कि दोनों ड्राइवरों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मोदी ने बेगुसराय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि अब वह झारखंड में इन दोनों पार्टियों के साथ अपने गठबंधन पर फिर से विचार करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''राजद ने पिछले दो दशकों में कोई चुनाव नहीं जीता, फिर भी वह अहंकार में जकड़ा हुआ है। यही घमंड था, जिसके चलते उन्होंने झामुमो को गठबंधन से बाहर फेंक दिया।''

उन्होंने आगे कहा, ''कांग्रेस बिहार में पिछले 35 साल से राजद की पिछलग्गू रही है। वे वीआईपी को भी गुमराह करते रहे। जब स्वार्थ प्रबल होता है और लूट का उद्देश्य होता है, तो यही होता है, जो राजद और कांग्रेस कर रहे हैं। पहले टिकट बेचते हैं, फिर घोटाले करते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908